स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 5 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 नवम्बर 2019 ✦ वर्ष 8 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

महासभा एवं शाखा ग्वालियर द्वारा सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन

तृतीय पुण्य तिथि पर
सादर श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त 1927 – 31 अगस्त 2016)

जैन समाज के लिये आपका योगदान एवं समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का अन्तिम सन्देश सदैव स्मरणीय रहेगा।

आपका प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

MARSON'S

ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

समस्त परिवारीजन
स्टाफ एवं कर्मचारीगण

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES

(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)

www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com
1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)
Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306

Works :
Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)
Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

मूल्य ₹ 5/-

अंक 5 ✦ 25 नवम्बर 2019 ✦ वर्ष 8

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संयोजक की कलम से....

दान की परंपरा यानी देने का सुख प्राचीन काल से चला आ रहा है। कहा जाता है कि घर की तिजोरी में बंद पड़ा धन अगर किसी की सेवा में, सहायता में, स्कूल व अस्पताल बनाने में, किसी भूखे को भोजन देने में खर्च कर दिया जाए तो उससे बढ़कर धन का और कोई इस्तेमाल नहीं हो सकता। कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि चाहे खर्च की गई रकम छोटी ही क्यों न हो, व्यक्ति को प्रसन्न बनाती है। शोध में वे कर्मचारी ज्यादा खुश पाए गए जो बोनस की सारी रकम खुद पर खर्च करने के बजाय कुछ रकम दूसरों पर भी खर्च करते हैं। खुश रहने की अनिवार्य शर्त यह है कि आप खुशियां बांटे। खुशियां बांटने से बढ़ती है और दु:ख बांटने से घटता है। यही वह दर्शन है जो हमें स्व से पर-कल्याण यानि परोपकारी बनने की ओर अग्रसर करता है। जीवन के चौराहे पर खड़े होकर यह सोचने को विवश करता है कि सबके लिए जीने का क्या सुख है? मनुष्य के समाज के प्रति उसके कुछ कर्तव्य भी होते हैं। सबसे बड़ा कर्तव्य है एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होना और यथाशक्ति सहायता करना। संतो ने इसकी अलग-अलग प्रकार से व्याख्या की है। नीतिकारों का कहना है कि धन कमाने में इन हाथों से कई तरह के पाप करने पड़ते हैं, परन्तु यदि हाथों से दान कर दिया जाए तो वह पाप धुल जाता है। हाथ की शोभा गहनों और कीमती हीरे की घड़ियों से नहीं है, परंतु दान से मानी गई है। हाथ का आभूषण कंगन नहीं दान है; कंठ का आभूषण हार नहीं सत्य है। कानों के आभूषण कुंडल नहीं शास्त्र हैं। यदि आपके पास ये सच्चे आभूषण हैं तो फिर आपको कंगन, हार और कुंडल के झूठे आभूषणों की कोई जरूरत नहीं है। इन हाथों की शोभा दान से होती है। इसीलिए दान उत्सव मनाया जाता है। दान देने से, सेवा करने से, हाथों में जो महान शक्ति पैदा होती है, वह अद्भुत है। ईसा, मुहम्मद साहब, गुरु नानक देव, बुद्ध, कबीर, गांधी, सुभाषचन्द्र बोस, भगत सिंह, आचार्य तुलसी और हजारों-हजार महापुरुषों ने हमें जीवन में खुश, नेक और नीतिवान होने का संदेश दिया है। इनमें से किसी की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी। हर किसी ने मुश्किलों से जूझकर उन्हें अपने अनुकूल बनाया और जन-जन में खुशियां बांटी। इतिहास ऐसे महान और परोपकारी महापुरुषों के उदाहरण से समृद्ध है, जिन्होंने परोपकार के लिए अपने अस्तित्व और अस्मिता को दांव पर लगा दिया।

-आपका चन्द्रशेखर जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

भावभीनी श्रृद्धांजलि

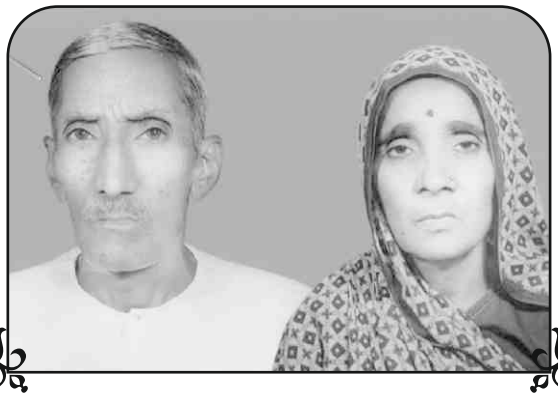

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवासः- बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

अ.भा.प. जैन महासभा का स्वर्ण जयंती महोत्सव, अधिवेशन एवं सामूहिक विवाह ग्वालियर में सम्पन्न

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा एवं शाखा ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्ण जयंती महोत्सव, अधिवेशन एवं सामूहिक विवाह दिनांक 7 व 8 नवम्बर को सफल रूप से ग्वालियर में संपन्न हुआ। दिनांक 7 नवम्बर को स्वर्ण जयंती महोत्सव का प्रारंभ ग्वालियर शाखा द्वारा सुबह 09:30 बजे से 10:30 बजे तक महामंत्र णमोकार के पाठ से किया गया जिसमें शाखा के अधिकांश सदस्य उपस्थित थे। तत्पश्चात् सभी ने स्वल्पाहार किया। तत्पश्चात् श्री विमलचंद जैन (रेतावाले) फिरोजाबाद द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के मंच का उद्घाटन श्री पदमचंद रोहितकुमार जैन मुरार (ग्वालियर) द्वारा किया गया। श्री शिखरचंद जैन (सिंघई) आगरा द्वारा भगवान महावीर के चित्र का अनावरण किया गया। साथ ही दीप प्रज्ज्वलन श्री अभय पनवेलकर नागपुर, महासभा अध्यक्ष श्री आर.सी.जैन, महामंत्री राजीव रतन जैन, अर्थमंत्री श्री अजीत जैन, मुख्य अतिथि श्री ओमप्रकाश जैन कोयलेवाले ग्वालियर, विशेष अतिथि इंजी. पी.सी.जैन इन्दौर, विशिष्ट अतिथि श्री राजीव पल्लीवाल गंगापुर व नवीन जैन बयाना एवं ग्वालियर शाखा के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

सभी अतिथियों को मंचासीन कर ग्वालियर शाखा की महिला सदस्यों द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। ग्वालियर शाखा के सदस्यों व बच्चों द्वारा मंगलाचरण पर आर्केस्ट्रा की धुन की सुंदर प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात् मंचासीन सभी अतिथियों का केन्द्रीय कार्यकारिणी एवं ग्वालियर शाखा सदस्यों द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। बेबी मानवी जैन द्वारा स्वागत नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई। महामंत्री द्वारा पल्लीवाल जैन पत्रिका के परामर्शदाता डॉ.अनुपम जैन का परिचय दिया गया एवं कार्यक्रम संचालन हेतु आमंत्रित किया गया। डॉ. अनुपम जैन ने कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम महासभा के पूर्व अर्थमंत्री श्री मगनकुमार जैन, आगरा का सम्मान श्रीफल, दुपट्टा, शॉल, माला, स्मृति चिन्ह आदि भेंट कर कराया। उसके बाद पूर्व महामंत्री श्री पदमचंद जैन दिल्ली एवं श्री श्रीचंद जैन जयपुर का सम्मान भी श्रीफल, दुपट्टा, शॉल, माला, स्मृति चिन्ह आदि भेंट कर किया गया। श्री पदमचंद जैन दिल्ली द्वारा अपने उद्बोधन में महासभा की स्वर्ण जयंती पर सभी समाज जनों को बहुत बहुत बधाई दी एवं स्वर्ण जयंती महोत्सव पर अपना मार्गदर्शन समाज जनों को दिया व आपने अपने समय में जो कार्य किये, उन पर प्रकाश डाला। महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्री शिखरचंद जैन आगरा का सम्मान भी किया गया। साथ ही आपके द्वारा समाज जनों को संबोधित किया गया। आपने स्वर्ण जयंती की सभी को बधाई दी व अपना मार्गदर्शन समाज को दिया। इसी समय कार्यक्रम में ग्वालियर पश्चिम क्षेत्र के कर्मठ एवं निष्ठावान विधायक श्री प्रवीण पाठक का आगमन हुआ। महासभा एवं उसकी ग्वालियर शाखा द्वारा विधायक महोदय का सम्मान किया गया । कार्यक्रम में अतिथि श्री प्रवीण पाठक द्वारा पूर्व महासभा अध्यक्ष श्री सुमतप्रकाश जैन का सम्मान किया गया। सम्माननीय अतिथि श्री प्रवीण पाठक द्वारा अपने उद्बोधन में जैन समाज की काफी प्रशंसा की गई एवं जैन समाज द्वारा सामूहिक शादियों की परंपरा की भी सराहना की। साथ ही आपने समाज से आग्रह किया कि समाज के किसी भी कार्य हेतु उनके पास आ सकते हैं। मैं हमेशा आपका कार्य करने के लिए तैयार हूं।

यह एक संयोग ही था कि स्वर्ण जयंती महोत्सव पर कार्यक्रम के सहसंयोजक श्री पवन जैन ग्वालियर एवं महासभा के प्रथम पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री हरिरामजी कोठारी जी के पोते श्री अनुज कोठारी की वैवाहिक वर्षगांठ 7 नवम्बर को मंच पर सभी की उपस्थिति में मनाई गई। आपका विवाह अलवर में सामूहिक विवाह समारोह में संपन्न हुआ था। सभी उपस्थित समाज जनों ने आपको बहुत–बहुत बधाई दी।

कार्यक्रम में महासभा के प्रथम अध्यक्ष स्व. श्री हरिरामजी कोठारी अलवर के पौत्र श्री अनुज कोठारी अलवर का सम्मान किया गया एवं स्व. श्री डॉ. किशनचंद जैन सीकर के भतीजे पत्रिका संयोजक श्री चंद्रशेखर जैन का

सम्मान भी किया गया। आप सभी का सम्मान श्रीफल, दुपट्टा, शॉल, माला, स्मृति चिन्ह आदि भेंट कर केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य व ग्वालियर शाखा के सदस्यों द्वारा किया गया। आप सभी के सम्मान के बाद समाज गौरव का सम्मान भी किया गया। सर्वप्रथम कला के क्षेत्र में मा. रूबल जैन लखनऊ का सम्मान किया गया। आपने अपनी कला का प्रदर्शन समाज जनों के आग्रह पर मंच पर किया। सभी ने बहुत प्रशंसा की एवं सदन ने तालियों की गड़गड़ाहट से मास्टर रूबल का स्वागत किया और समस्त मंचासीन अतिथियों द्वारा और अधिक ऊँचाई पाने हेतु शुभकामनाएं दी गईं। द्वितीय सत्र में श्री मुकेशचंद जैन (मण्डावर) जयपुर का सम्मान सामुदायिक कार्य क्षेत्र में सम्मानित किया गया। आपको पूर्व प्रधानमंत्री श्री एच.डी. देवेगौड़ा द्वारा तीन बार सम्मानित किया जा चुका है। आपने भी अपने उद्‌बोधन में समाज की बहुत प्रशंसा की। तृतीय में श्री टीकमचंद जैन टिक्कल जयपुर का साहित्य के क्षेत्र में सम्मान किया गया। आपने भी अपने उद्‌बोधन में सभी समाज जनों की प्रशंसा की। सम्मान समारोह के बाद ग्वालियर शाखा के श्री राजकुमार कमलकुमार जैन का सम्मान किया गया। आपने ग्वालियर शाखा को अपनी एक बीघा जमीन (लगभग 22000 वर्गफीट) दान में दी है। महासभा एवं ग्वालियर शाखा द्वारा आपका सम्मान किया गया। आपने समाज में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। दानदाता द्वारा यह शर्त रखी गई है कि समाज इस जमीन को कभी भी विक्रय नहीं कर सकेगा परंतु समाज के बैनर तले इस जमीन का उपयोग किसी भी कार्य हेतु कर सकेगा।

करिश्मा जैन (सुपुत्री श्री संजय जैन) एवं गुनगुन जैन (सुपुत्री श्री सुभाष जैन) ने पुरस्कार वितरण में अपने कार्य को बेहद मेहनत एवं लगनता पूर्वक पूर्ण किया।

महासभा का 50 साल का सफर, महामंत्री राजीव रतन जैन के उद्‌बोधन के मुख्य बिन्दु :– महासभा की नींव दिनांक 20.04.1969 को रखी गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष माननीय स्व. श्री हरिरामजी कोठारी अलवर, प्रथम महामंत्री डॉ. क्रांतिकुमारजी जयपुर एवं प्रथम अर्थमंत्री स्व. श्री गिरिराज किशोरजी जैन आगरा से लेकर अभी तक 16 बार केन्द्रीय कार्यकारिणी का विस्तार पूर्वक सत्र सहित जानकारी प्रस्तुत की। पल्लीवाल पत्रिका का मथुरा से जयपुर स्थानांतरण पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुमतप्रकाश जैन के कार्यकाल में हुआ। प्रथम बार 1976 में सामूहिक विवाह की शुरुआत हुई, आपने अपनी जानकारी के अनुसार अभी तक 19 बार सामूहिक विवाह महासभा द्वारा विभिन्न शाखाओं में संपन्न कराये जा चुके हैं। वर्तमान में महासभा के 10 हजार से अधिक सदस्य संख्या है। विधवा असहाय सहायता योजना का संचालन किया गया जो कि 200/– रुपये प्रतिमाह से प्रारंभ की गई थी और वर्तमान में 1000/– रुपये प्रति माह की सहायता विधवाओं को की जा रही है। वर्तमान में वेबसाइट पर पल्लीवाल पत्रिका ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई है जिसे विश्व के किसी भी भाग में बैठ कर पढ़ा जा सकता है। वेबसाइट पर पूरे केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्यों की जानकारी भी पते व फोन नंबर सहित उपलब्ध है साथ ही शाखा अध्यक्ष मंत्रियों की जानकारी भी साइट पर उपलब्ध कराई गई है। डॉक्टर फोरम की समिति गठित की गई है, जिससे देश के सभी सामाजिक डॉक्टर्स को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी तरीके से एक इंजीनियर फोरम भी डेवलप किया गया है। वाट्‌सअप के माध्यम से विवाह योग्य बच्चों के बायोडाटा का ग्रुप बनाया गया। आगरा में पल्लीवाल समाज की समस्त राजनीतिक पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। महासभा के सदस्यों के मुखियाओं के नम्बर के लिए एक दूरभाष निर्देशिका तैयार करने की योजना चल रही है। महासभा द्वारा नये–नये क्षेत्रों में अपने प्रयासों से समाज का गठन कर नई शाखाएं बनाई जा रही हैं, जिसमें अभी रावतभाटा, करौली व झांसी गठित हो चुकी हैं। पूना शाखा बनाने के लिए सभी को एकत्रित किया जा चुका है। बस गठन प्रक्रिया बाकी है।

अधिवेशन के मध्य विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। महासभा के पूर्व महामंत्री श्री श्रीचंद जैन ने कहा कि सामूहिक विवाह मध्य प्रदेश के समाज बंधुओं के सहयोग से ही चालू है। नहीं तो कब की ठप्प हो जाती। आपने जोर देकर कहा कि महासभा का भविष्य महिला मण्डल और युवक मण्डल हैं। ये जितना अच्छा कार्य करेंगे, महासभा उतनी ही प्रगति करेगी। युवा संयोजक श्री नितीश जैन के कार्यों की सराहना की। अच्छा कार्य कर रहे हैं, उनके कार्य में शाखाओं को और अधिक सहयोग करना चाहिए। डॉ. अनुपम जैन इन्दौर ने कहा कि मैंने पत्रिका की पठनीयता की वृद्धि करने के लिए अपनी टीम से चर्चा की है और हम कोशिश करेंगे कि इसकी लोकप्रियता बढ़े। जहां तक युवाओं को जोड़ने की बात है, हमें

उनकी रुचियों का ध्यान रखना पड़ेगा। 2014 में इन्दौर शाखा द्वारा आयोजित युवा सम्मान समारोह में देश भर के युवाओं की 60 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं। जिसमें से हमने 22 सर्वश्रेष्ठ का चयन किया। अगर व्यवस्थित प्रचार किया जाए, तो अगले युवा सम्मान में लगभग 100 प्रविष्टियों से अधिक आएंगी। समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। लेकिन हम अपनी योजना अपनी बात उन तक पहुंचा नहीं पाते। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महिला सदस्यों की संख्या 10 होने के बावजूद महज 3 का आना चिंताजनक है। बहनों के साथ बैठकर समस्या का समाधान खोजना होगा।

चुनाव में धन एवं श्रम शक्ति के अपव्यय को रोकने हेतु आपने सुझाव दिया कि चुनाव इलेक्शन से नहीं सिलेक्शन से होना चाहिए और संगठन की मजबूती हेतु प्रमुख पदाधिकारियों के चयन में रोटेशन पद्धति अपनाई जानी चाहिए। जिससे सभी क्षेत्रों को समाज के लिए योगदान देने का अवसर मिल सके। श्री देवेन्द्र जैन जयपुर ने कहा कि युवाओं को जोड़ने के लिए महासभा में विभिन्न ग्रुप बनाये जाएं। आज अन्य समाज में जीतो आदि के साथ जुड़कर आगे बढ़ रही हैं। हमें इस ओर सक्रियता से ध्यान देना पड़ेगा। श्री सुरेश जैन उज्जैन ने कहा कि समाज में सुधार हेतु शाखाओं को सक्रिय करना होगा। आज यहां संख्या बल बहुत कम है। हमें लड्डू की तरह बंधना होगा जिससे प्रत्येक इकाई एक दूसरे को सहयोग कर समाज को शक्ति प्रदान करे। श्री मुकेश जैन (अलीपुर, जयपुर) ने कहा कि वैवाहिक सम्मेलन से पूर्व युवक–युवतियों का परिचय सम्मेलन होना चाहिए एवं जयपुर राजस्थान में 1300 परिवार निवास करते हैं, जिसमें से केवल 13 लोग इस सम्मेलन में आये हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आर.सी. जैन ने वक्ताओं के विचारों से सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि शाखाओं की निष्क्रियता सोचनीय है। हमें निराश नहीं होना है, क्योंकि इसी समाज से 4000 वर्ग फीट जमीन जयपुर शाखा को मिली। पल्लीवाल शिक्षा समिति जयपुर के निर्माणाधीन होस्टल के सभी 26 कमरों में दातार कार्य चालू होने से पूर्व ही मिल गये थे। ग्वालियर शाखा को एक बीघा जमीन अर्थात् लगभग 22000 वर्ग फीट जमीन आज ही मिली है। यह स्थायी प्रकृति की उपलब्धि है। यदि हम लगन के साथ एकता के साथ काम करते रहेंगे, तो महासभा का भविष्य बहुत उज्वल है। अध्यक्षीय उद्बोधन के बाद ग्वालियर शाखा के बंधुओं कार्यक्रम संयोजक श्री अनिल जैन, सहसंयोजक श्री पवन जैन, शाखा पदाधिकारी अध्यक्ष श्री भागचंद जैन, मंत्री श्री संजय जैन, कोषाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र जैन, श्री राजकुमार जैन, गौरव जैन, सहित अन्य पदाधिकारी एवं शाखा के युवा मण्डल मंत्री श्री अविनाश जैन एवं अन्य युवकों का महासभा द्वारा सम्मान किया गया। सायंकालीन सत्र में ग्वालियर शाखा ही नहीं बल्कि पूरे देश से आये समाज बंधुओं ने महाआरती की, जिसकी भव्यता ने ग्वालियर में इतिहास बनाया। सोशल मीडिया ने भी इसे बहुत सराहा।

शाम 06:30 बजे महाआरती भगवान महावीर स्वामी की 51 दीपकों से सभी समाजजनों द्वारा की गई। इस महाआरती में ग्वालियर शाखा की महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा विशेष रूप से नृत्य कर प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति की संयोजिका महासभा की महिला कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती सुषमा जैन ग्वालियर के अथक प्रयासों की सफलता थी, जिसे सभी ने बहुत उत्साहपूर्वक भक्तिभाव से आनंद लिया व इस महाआरती की लाइव वीडियो रिकॉर्डिंग विवाह सहसंयोजक चंचल जैन अलवर ने की जिसे 125 देशों में फेसबुक के माध्यम से लाइव देखा गया। महाआरती की सभी ने बहुत प्रशंसा की एवं सुंदर प्रस्तुति के लिए समाजजनों द्वारा प्रस्तुतकर्ताओं को सम्मान स्वरूप नगद राशि भेंट की गई। महामंत्री द्वारा सभी को प्रशंसनीय कार्य हेतु बधाई व शुभकामना दी। तत्पश्चात् विभिन्न शाखाओं द्वारा तैयार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई, जिसमें मोहना शाखा, महिला मण्डल ग्वालियर, त्रिशला महिला मण्डल जौरा, भूमि जैन मुरैना, पारुल जैन इन्दौर, ग्रामीण अंचल आगरा, संजना, निशा जैन भरतपुर, श्रीमती सुनीता मुकेश जैन जयपुर, रूबी जैन मुरैना, मानवी जैन ग्वालियर, श्री अजितकुमार जैन गंगापुर द्वारा भजन, गायन, नृत्य की सुंदर प्रस्तुतियां दी गईं। ग्वालियर शाखा के समस्त नृत्य की तैयारी शाखा की बालिका कु. आयुषी जैन कोरियाग्राफर द्वारा की गई।

कार्यक्रम के समापन पर सभी का आभार महामंत्री राजीवरतन जैन द्वारा किया गया। दिनांक 8 अक्टूबर को प्रातः 09:45 बजे वर निकासी नया बाजार जैन मंदिर से श्री ओमप्रकाश चंद्रकुमार जैन द्वारा जैन ध्वज दिखाकर प्रारंभ की गई। मार्ग में समाजजनों द्वारा बारात का स्वागत किया गया एवं पूरे रास्ते पर जैन ध्वज व समाजजनों के होर्डिंग द्वारा संपूर्ण बारात का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् सभी वर व वधु का वरमाला कर विवाह विधि संपन्न की गई। आपको आशीर्वाद देने ग्वालियर सांसद श्री विवेक नारायण सेजवलकर एवं ग्वालियर पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल उपस्थित हुए। प्रत्येक जोड़े को समाजजनों द्वारा काफी उपहार भेंट स्वरूप दिये गये। जिसमें गृहस्थी की लगभग सभी चीजें समाजजनों द्वारा जोड़ों को दी गईं। विदाई पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

विश्व शांति और जैन धर्म

विश्व शांति का अर्थ क्या है? पूरा देश, समाज और दुनिया शांतिपूर्ण वातावरण में रह रहा है परन्तु मेरा घर अशांत है तो क्या इसे विश्व शांति कहा जा सकता है? मेरा घर–समाज शांतिपूर्ण है पर दुनिया के दो देश युद्धस्थल पर जमे हुए हैं तो क्या इसे विश्व शांति कहा जा सकता है? मैं समझता हूँ कि जब तक घर–परिवार, समाज से लेकर सम्पूर्ण देश–दुनिया में शांति नहीं तब तक विश्व शांति की संकल्पना आंशिक है, अधूरी है। भले ही विश्व शांति का आदर्श बहुत ऊँचा है परन्तु यह आदर्श ही हम सबके लिए श्रेय है। हर व्यक्ति इस संकल्पना को अपने ढंग से पूर्ण करने की कोशिश कर रहा है। परन्तु दृष्टि सीमित रहने से इसमें आंशिक सफलता मिल पाती है। एक व्यक्ति अपने घर में सम्पन्नता के लिए दूसरों के अधिकारों को छीनता है, उस व्यक्ति का घर परिवार तो सुखी हो जाता है परन्तु समाज में अशांति–अव्यवस्था फैल जाती है। एक राष्ट्र अपने नागरिकों को सुखी करने के लिए दूसरे राष्ट्रों के शोषण पर उतारु हो जाता है। इससे एक देश के नागरिकों को तो सुख–शांति भले ही मिल जाए परन्तु दूसरे राष्ट्रों में तनाव, अव्यवस्था, मारकाट, हिंसा का माहौल बनेगा।

मानव जीवन में यह देखा गया है कि जहाँ एक गरीब अपनी गरीबी के कारण दुखी है, वहीं अमीर अपनी सम्पन्नता में भी खुश नहीं है। कोई शारीरिक रुप से दुखी है तो कोई मानसिक तनावों से परेशान है। पारिवारिक जीवन में गहरा तनाव है। सभी लोग आगे बढ़ना चाहते हैं, भले ही इसके लिए दूसरों का गला क्यों ना काटना पड़े। कोई भी सदस्य दूसरे सदस्य के लिए त्याग करने को तैयार नहीं। यही हाल समाज और राष्ट्र के स्तर पर है जहाँ एक समूह दूसरे समूह पर हावी होने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में आवश्यकता है सह–अस्तित्व, सहिष्णुता, सहनशीलता, संवेदनशीलता की।

यह विश्व है मानव और मानव समुदायों का संगठन मात्र। आवश्यकता है सह–अस्तित्व की भावना की, सबके मन में यह भावना हो कि जिस प्रकार मैं जीना चाहता हूँ उसी प्रकार सभी जीना चाहते हैं। मन, वचन और कर्म से किसी को हानि नही पहुँचाएँ ऐसी भावना रखकर जब हम कार्य करते हैं तब सही ढंग से सह–अस्तित्व का भाव उत्पन्न होता है। हमारा सुख हो साथ ही किसी दूसरे को भी दुख नहीं होना चाहिए। अहिंसा की यह भावना जब गहराई में जाती है तो विकास होता है आपसी प्रेम का प्रवाह होता है सामाजिक समरसता बढ़ती है।

बड़े स्तर पर लड़ाई–झगड़े, विवाद का कारण है– 'धन'। जिसके पास ज्यादा पैसा हो गया वह अपने धन के मद में और अपराध करता है। धनवान और ज्यादा धन चाहते हैं। जो गरीब है वह अपनी आवश्यकता पूर्ति हेतु येन केन प्रकारेण धन प्राप्त करना चाहता है। दोनों ही स्थिति भयावह है। समाज में धन का वितरण इस प्रकार होना चाहिए कि आवश्यकताएँ तो सबकी पूर्ण हो तथा योग्य को यथोचित सम्मान मिले। अपरिग्रह और अचौर्य वे दो मर्यादाएँ हैं जिनसे समाज का आर्थिक जीवन संतुलित रहता है। अचौर्य व्रत कहता है कि अनाधिकारपूर्वक चीजों को ग्रहण नहीं करना चाहिए। जिस वस्तु पर हमारा हक नहीं है यदि वह वस्तु हम ग्रहण करते हैं तो निश्चित रुप से हकदार लोग उस पर आपत्ति करेंगे और संघर्ष की उत्पत्ति होगी। अपरिग्रह की अचौर्य से भी उच्च स्थिति है, इसके अनुसार हमें अनावश्यक रुप से संग्रह नहीं करना चाहिए। यह हो सकता है कि आप किसी वस्तु के हकदार हैं। आपका उस पर स्वामित्व है। लेकिन वह वस्तु आपके पास आवश्यकता से अधिक है। आप भरपूर उपयोग करें तो भी वह वस्तु खत्म नहीं होने वाली, इसके बाद भी आपके पास भण्डार भरे रहेंगे। वहीं समाज में ऐसे लोग है जिनके पास वह वस्तु नहीं है और उन्हें उस वस्तु की अत्यन्त आवश्यकता है। वह वस्तु उनके लिए जीवन–मरण का प्रश्न है। ऐसी स्थिति में मनुष्य का कर्तव्य है कि वह अनावश्यक रुप से संग्रहित वस्तुओं को उन व्यक्तियों को दे जिनको उनकी आवश्यकता है। इसके विपरीत दशा होने पर जब कोई व्यक्ति अनावश्यक रुप से संग्रह कर रहा है और दूसरी ओर कोई व्यक्ति आवश्यकता भी पूरी नहीं कर पा रहा है, तो समाज ऐसे स्थल पर पहुँच जाएगा जहाँ संघर्ष अनिवार्य होगा और समाज को उसके दुष्परिणाम भोगने होंगे। यही स्थिति राष्ट्रों के बीच देखी जा सकती है जहाँ गरीब देशों के नागरिक बड़ी संख्या में अमीर राष्ट्रों की ओर जाना चाहते हैं और वहाँ की सामाजिक–राजनैतिक स्थितियों में हलचल पैदा करते है।

अनाचार और व्याभिचार व्यक्तिगत, परिवारिक और सामाजिक जीवन को झकझोर देते हैं। स्त्री–पुरुष के सम्बंध प्राकृतिक आकर्षण–विकर्षण यह संबंध मर्यादित होना

चाहिए। इसलिए स्त्री–पुरुष संबंधों के निर्धारण हेतु सामाजिक नियमों का प्रचलन हुआ। लगभग सभी समाजों मे विवाहेतर संबंधों को अमान्य करार दिया है। जैन धर्म का ब्रह्मचर्यव्रत स्त्री–पुरुष के संबंधो को मर्यादित करने का एक श्रेष्ठ साधन है। अपने जीवन साथी में ही संतोष, पुरुष परस्त्री के साथ और स्त्री परपुरुष के साथ संबंध न रखे। इससे भी उच्चतर स्थिति है कि विवाहित स्त्री–पुरुष भी संयम रखे। हर व्यक्ति से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती है कि वह पूर्णरुपेण काम सेवन परित्याग कर देगा। परन्तु मर्यादित और नियंत्रित कामसेवन व्यक्तिगत, परिवारिक और सामाजिक जीवन के लिए अत्यन्त उन्नतकारी है।

अशांति का एक बड़ा कारण है व्यवहारिक और वैचारिक स्तर पर असहिष्णुता । अपने से भिन्न खान–पान, रहन–सहन, पहनावा, भाषा–बोली, विचारधारा को अस्वीकार कर अपने खान–पान, रहन–सहन, पहनावा, भाषा–बोली, विचारधारा को लादने की प्रवृत्तियाँ बढ़ रही हैं और ये प्रवृत्तियाँ टकराव का कारण बनती हैं। किसी व्यक्ति के रीति–रिवाजों और विचारधारा को नकारना उस व्यक्ति के अस्तित्व को नकारना है और कोई भी व्यक्ति अपने अस्तित्व की नकार को सहन नहीं कर सकता है। संघर्ष का सबसे बड़ा कारण यह भावना है कि हम श्रेष्ठ हैं, हमारी विचारधारा श्रेष्ठ है। हम जो करते हैं वह सही है, हम जो बोलते हैं वह सत्य है, हमारा दृष्टिकोण ही उचित है। ये ऐकान्तिक प्रवृत्तियाँ बड़ी घातक हैं। दरअसल कोई चीज जो एक दृष्टिकोण से ठीक हो सकती है वह दूसरे दृष्टिकोण से गलत भी हो सकती है। जो चीज एक समय ठीक है वह दूसरे समय ठीक रहे यह आवश्यक नहीं। कोई आचरण किसी देश – काल परिस्थिति में आवश्यक हो परन्तु देश–काल परिस्थिति बदलने पर वही आचरण गैर जरुरी हो जाता है। अनेकांतवाद और स्याद्वाद इसी समस्या से निपटने के लिए दिए गए जैन दर्शन के सिद्धान्त हैं। अनेकांतवाद कि मूल उद्घोषणा है कि वस्तु असीमित गुणधारी है और मानवीय सीमित बुद्धि कुछ गुणों को ही जान पाती है। जब कोई मनुष्य इस सीमित बुद्धि के आधार पर ही सम्पूर्ण वस्तु की व्याख्या करता है तो वह समझता है कि उसने जो सीमित गुण जाने हैं वे ही वस्तु के गुण हैं उससे पृथक गुण नहीं है जबकि वास्तविकता यह है कि वह व्यक्ति सीमित गुणों को ही जानता है। अनेकांतवाद का यही उपदेश है कि व्यक्ति का ज्ञान एकांगी है, सीमित है। व्यक्ति को जब अपने सीमित ज्ञान का भान हो जाता है तो दूसरे व्यक्तियों को गलत या अज्ञानी ठहराने की उसकी प्रवृत्ति पर अकुंश लगता है। वह समझ जाता है कि दूसरे व्यक्ति भी किसी ना किसी दृष्टिकोण से सच्चाई का ही बयान कर रहे हैं। यही बात विचारधाराओं के संबंध में भी लागू होती है। कोई भी विचारधारा पूर्ण नहीं है। सभी विचारधाराएँ अधूरी हैं। सभी विचारधाराएँ एकांगी हैं। इसलिए विचारधाराओं की संघर्ष अनावश्यक है। साम्यवाद भी एक दृष्टि से ठीक है, पूँजीवाद भी एक दृष्टि से ठीक है। लेकिन पूर्णरुपेण दोनों अधूरे हैं। यही अनेकांतवाद का मंत्र है। स्याद्वाद अनेकांतवाद का ही वाणी में प्रयोग है। स्याद्वाद कहने का ढंग है। इसके द्वारा व्यक्ति अपने ज्ञान की सीमितता को स्वीकार करता है। स्याद्वाद द्वारा वाणी में संतुलन आता है।

जैन धर्म के सभी सिद्धान्त अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य, अनेकांतवाद, स्याद्वाद विश्व शांति के महान वाहक हैं। मानव जीवन में इन सिद्धान्तों को उतारने से व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय स्तर पर शांति और सम्पन्नता का वातावरण बनेगा और विश्व शांति के लक्ष्य की ओर हम आगे बढ़ेंगे।

–डॉ. धीरज जैन
'वर्तमान में वर्धमान' से साभार

ध्वजगीतं किं किं न साधयेत्

देवतास्तुतिसंयुक्तं, तत्प्रभावप्रबोधकम्।
आस्तिक्योत्पादकं गीतं, रम्यं भक्तजनप्रियम्॥

अर्थात् वृषभदेव स्तुति युक्त, भरत के माहात्म्य बोधक एवं आस्तिक्योत्पादक सुन्दर ध्वजगीत भक्तजनों को प्रिय है।

जैन ध्वज-गीत

आदि ऋषभ के पुत्र भरत का,
मेरा भारत देश महान।
ऋषभदेव से महावीर तक,
करें सुमंगल गान॥
मेरा भारत देश महान।
पंच रंग पाँचों परमेष्ठी,
युग को दें आशीष।
विश्व शान्ति के लिए झुकाएँ,
पावन ध्वज को शीष।
'जिन' की ध्वनि जैन की संस्कृति,
अग–जग को वरदान।
मेरा भारत देश महान।

–रचना : श्री मिश्रीलाल (वकील)
पोस्ट– गुना (म.प्र.)

षष्टम् पुण्यतिथि पर श्रृद्धासुमन

स्व. आषीश जैन

जन्म दिनांक : 25.02.1976 - स्वर्गवास : 16.11.2013

'जिस प्रकार फूल बिना बगिया सूनी
तुम्हारे बिना घर सूना
घर का हर कोना तुम्हारी याद दिला कर
आँखों में नमी पैदा कर जाता''

हम सभी परिवार जन आपको शत शत स्मरण करते हुए अश्रुपुरित श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

आपकी बेटी

आशिता जैन **अनिका जैन**

माता-पिता :
सुमन जैन-सतीश जैन
मो.: 9911590226, 9871116454

चाचा-चाची :
त्रिलोक जैन-राजेश्वरी जैन

छोटा भाई-भाभी :
आलोक जैन-सरगम जैन
मो.: 9818342405, 989924598
अवनी, प्रज्ञा

(CR D-2138)

ग्वालियर में आयोजित महासभा का स्वर्ण जयंती महोत्सव, अधिवेशन एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन की कुछ झलकियां

चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री विमल चन्द जी जैन

(प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय - से.नि., आगरा निवासी)

(जन्म : 06.09.1939 - स्वर्गवास : 25.11.2015)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना, धर्म के प्रति आस्था एवं प्रेरणादायक चरित्र हमारी स्मृति में सदा रहेगा एवं सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा। हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती संतोष जैन *(पत्नी)*

पुत्र-पुत्रवधु :
डॉ. पवन कुमार जैन-भारती जैन
कमल जैन-वर्षा जैन
पंकज जैन-दिव्या जैन

पौत्र, पौत्री :
आयुषी, दिव्यांश, हिमांशु, कार्तिक, आन्या

पुत्री-दामाद :
सीमा जैन-अरूण जैन
अनिता जैन-राजेश सेठ
डिम्पल जैन-रवीश जैन

धेवते, धेवती :
आकांक्षा-नमन, स्वपनिका, करण, कुनाल, सूर्यांश, शौर्य

समस्त सलावदिया परिवार

निवास : 8-9-152, धातु नगर, कंचनबाग, हैदराबाद
मोबाईल : 9849446456, 9849302009, 9810204976

Cargomen
CARGOMEN LOGISTIC (INDIA) PVT LTD, HYDERABAD
TMEN SYSTEMS PVT. LTD., NOIDA

सप्तम पुण्य स्मृति में

जन्मतिथि :
31-12-1932

स्वर्गवास :
23-11-2012

स्व. श्री अनूप चन्द जी जैन

हम सभी परिजन आपके उच्च विचारों तथा आदर्शों को अपने जीवन में उतारने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।

श्रद्धावनत

श्रीमती लक्ष्मी देवी जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधू :
शैलेन्द्र जैन-सपना जैन
अनिल जैन-रीता जैन
सुनील जैन-अनीता जैन

पौत्र, पौत्री :
अंकिता-गौरव जी *(पौत्री-दामाद)*
दक्षिता-मोहित जी *(पौत्री-दामाद)*
अंशुल जैन-पूजा जैन *(पौत्र-पौत्रवधु)*
अमन जैन-सोनम जैन *(पौत्र-पौत्रवधु)*
आकाश जैन-कनिका जैन *(पौत्र-पौत्रवधु)*
शुभम जैन

भाई :
स्व. श्री निर्मल जैन-विमला जैन
स्व. श्री जगदीश जैन-स्व. प्रमिला जैन
श्री प्रमोद जैन-मधु जैन
श्री विनोद जैन-ममता जैन

बहन-बहनोई :
शान्ति जैन-ओम प्रकाश जैन

दामाद-पुत्री:
राकेश जैन-रेनू जैन
राजीव जैन-अंजू जैन

दोहती, दोहते :
रागिनी-रितेश जी
अंकेश जैन, रचित जैन,
दृष्टि जैन

परपौत्री :
रूही जैन, मिष्ठी जैन

फर्म : डेल्टा कम्प्यूटर्स, संजय पैलेस, आगरा

निवास स्थान :
सी-3, केदार नगर, शाहगंज, आगरा (उ.प्र.), मो.: 0562-2210181, 09837890450

45वीं पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन

स्व. श्री चिम्मनलाल जैन

मुबारिकपुर वाले

(समाज के कर्मठ कार्यकर्त्ता)

स्वर्गवास : 11.11.1974

आपने अपने अथक परिश्रम, त्याग, धर्मनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता व सत्य आदर्शवाद से जो उच्च आदर्श स्थापित किये थे, हम उन्हें सर्वेस्य स्त्रोत मानकर आजीवन निभायेंगे। हम आपके आदर्शवादी जीवन को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
राजेन्द्र-मिथलेश
बिजेन्द्र-बीना
देवेन्द्र-मन्जू
राजेश-संतोष

भ्राता :
भगवान सहाय जैन
महावीर प्रसाद जैन

पुत्री-दामाद :
ऊषा-शीतल प्रसाद
आशा-अशोक कुमार

पौत्र-पौत्रवधु :
रूपेश-रजनी, विकास-सुनीता
गौरव-पूजा, मोहित-मनीषा
नितिश-दीपाशा, मनीष-बिन्दिया
गौतम

प्रपौत्र, प्रपौत्री :
सिद्धान्त, अरिहन्त, रिद्धी
सिद्धी, वैष्णवी, यश

पौत्री-पौत्री दामाद :
मुकेश
सोनिया-राहुल, गरिमा-गुंजन
डॉ. निमिषा-आधार, नेहा-जितेन्द्र
आयुषी, सानू

प्रतिष्ठान

- विजय जनरेटर एण्ड इलै. स्टोर (अलवर)
- जैना ट्रेडर्स, विकास इलैक्ट्रिकल्स (अलवर)
- जैन मशीनरी एण्ड जनरेटर (मुबारिकपुर)
- रिषभ जनरेटर, गर्वित फोटो स्टेट (मुबारिकपुर)

सुंदर जीवन जीने की कला

****

जीवन जैनमत में एक तपस्या है, जिसका मूलमंत्र णमोकारमंत्र है, जिसका अर्थ है संसार का सबसे छोटा प्राणी होना, सभी मुझसे बड़े हैं, सभी को नामोस्तु करता है, जैन मंत्र एक कर्म है जो अपने अलावा सभी के लिए जियो और जीने दो की भावना उत्पन्न करता है।

जैन मंत्र की तपस्या अपने प्रत्येक दिन समय के प्रबंधन से अधिक से अधिक सार्थक होती है।

ईश्वर ने मुझे जैनमत में जन्म दिया है, मैं उससे पूरी तरह संतुष्ट हूँ।

जो हो गया वह सही था।

जो होना है वह भी सही है।

जो होगा वह भी सही होगा।

सभी ईश्वर की इच्छा के अनुसार– मुझे तो जैनमत की तपस्या करनी है।

भगवान का अर्थ प्रकृति से है।

प्रकृति पाँच तत्वों से मिलकर बनी है।

(1) पृथ्वी, (2) आकाश, (3) वायु, (4) जल, (5) अग्नि

प्रकृति के अधीन रहते हुए संस्कार विकसित किए जाते हैं।

(1) कर्तव्य, (2) सुकर्म द्रणता से, (3) विनम्रता, (4) धैर्य, (5) संतुष्टी

पाँच इंद्रियों को वश में करते हुए–

(1) कम बोलना, (2) कम खाना, (3) कम सोना, (4) बुराई न सुनो, न देखो और न करो, (5) घर को मंदिर बनाना

घर में ईश्वर तथा ईश्वररूपी माँ–बाप, एक पेड़ की सेवा करना, आराधना करना। ये आपके सहारे हैं उनकी आराधना से शांति, स्थिरता तथा आत्मा अंदर से आनंद का अहसास कराती है।

सभी व्यावसायिक कार्य ईश्वर व माँ–बाप के आशीर्वाद से किये जाते हैं। वह हमें निर्णय लेने में सहायता करते हैं, अतः सभी कार्य प्रातः से रात तक उनके लिए ही किये जाते हैं, सभी कार्य उनको समर्पित हैं।

घर के माँ–बाप को चाहिए :– ईश्वर रूपी बने, त्यागी बने जिससे आपके मार्गदर्शन मे घर एक मंदिर की तरह निर्मित हो।

(1) प्रत्येक कार्य में विरोध न करें अपना अनुभव बताएं।

(2) माँ–बाप अपने सभी पुत्र, पुत्रियों, बहू, बच्चों से नियमित सामान्य परिस्थितियों में एक समान व्यवहार रखें। घर के भाई बहन, बहू (जो आपके लिए अपने माँ–बाप को छोड़ आई है) के भाई बहन सभी से समान व्यवहार करें, परिस्थिति कुछ भी हों।

(3) प्रत्येक सदस्य विपरीत परिस्थितियों का समान सम्मान करने के लिए ज्ञान का सहारा लें, प्रत्येक दिन तीस मिनट शास्त्रों का अध्ययन करें जो वाक्य का अर्थ समझ न आए उसे अपने बुजुर्गो, ज्ञानी, साधू संत से विचार–विमर्श करें, मनन करें, समाधान स्वतः ही प्रकट होगा।

1. संतान की उत्पत्ति होने पर उसका पालन–पोषण हम लोगों की ज़िम्मेदारी (कर्तव्य) है।

2. संतान को चार वर्षों तक ईश्वर द्वारा प्रदान किया गया उपहार मानकर उसकी सेवा करनी है, अपनी सभी बुराइयाँ समाप्त करके उसके अंदर संस्कार विकसित करने हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों से दूर रखना है। खाली समय उसके साथ, प्रकृति (बालू, पानी, बरसात, पेड़–पौधे, पहाड़ों पर घूमकर) के साथ रहकर व्यतीत करना है।

3. संतान को चार वर्ष बाद शिक्षा–संस्कार के लिए तैयार करना है। नए कानून के अनुसार सभी शिक्षा बोर्ड में एनसीआरटी की किताबें लागू की गयी हैं, अतः शिक्षण संस्थान कैसा भी हो उसका शिक्षा पर कोई असर नहीं होता है। हम लोगों का कर्तव्य बच्चों की शिक्षा में सूक्ष्म निगाह से निगरानी करके खेल–खेल में बिना किसी दवाब के ज्ञान बढ़ाना है। उसके सभी प्रश्न के उत्तरों का सही ज्ञान देना है। साल में लगभग दो बार देशाटन, धार्मिक स्थान पर, पिक्नर दिखाने अपने साथ लेकर जाना है। उम्र कक्षा 8 पास होने तक करना है।

4. संतान को कक्षा 8 के बाद उसके अपने इच्छा के अनुसार जिस क्षेत्र में जाए उसका सहयोगी बनकर उसका साथ देना है।

5. कक्षा 8 से 12 तक का समय संतान की नीति भविष्य का निर्माण करता है। उस समय की शिक्षा आगे आने वाले सभी प्रतिस्पर्धा का आधार होती हैं। उस समय मे माँ–बाप की ज़िम्मेदारी अत्यधिक बढ़ जाती है।

6. कक्षा 12 के बाद प्रतिस्पर्धा का दौर शुरू होता है। उस समय में संतान का निर्णय, उसके निर्णय में कोई विवाद नहीं, केवल अपना अनुभव शेयर करें और साथ दें। वह अपना रोजगार अपने आप तलाश लेगा।

प्रत्येक संतान अपने भाग्य के साथ आती है और अपने भाग्य का निर्धारण स्वयं अपने पंच लक्षण से करती है। रोजगार पाने के बाद अपने दिन–रात को समयानुसार निर्धारण कर जीवन क्रियायें शनेः शनेः सुचारू रूप से प्रारम्भ करनी चाहिए। ईश्वर उस संतान के लिए प्रारम्भ से निर्धारण समय पर वर, वधू को उसके संपर्क में भेज देता है और वह वैवाहिक सम्बन्धों में बंध जाते हैं और ईश्वर की इच्छा अनुसार ही उसको संतान की प्राप्ति होती है।

घर के सभी सदस्यो के कार्य, व्यवहार से घर एक मंदिर बनता है। सभी सदस्यों के स्वर्ग तथा नरक में जाने का रास्ता भी खुलता है।

–संजय कुमार जैन 'एड.'
जैन नगर, खेडा, फिरोजाबाद

महासभा की स्वर्ण जयन्ती महोत्सव का सफल आयोजन

स्वर्ण जयन्ती महोत्सव, अधिवेशन एवं सामूहिक विवाह के सफल आयोजन के लिए अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा एवं ग्वालियर शाखा को बहुत–बहुत बधाई एवं साधुवाद। इस कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए शाखा की जितनी भी प्रशंसा की जाये वह कम है।

मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का जोरदार स्वागत किया गया। शुरु से आज तक महासभा के पदाधिकारियों एवं अन्य विवरण की जानकारी मंच पर लगाई गई स्क्रीन के माध्यम से पाण्डाल में उपस्थित सभी लोगों को लगातार दो दिन तक मिलती रही। यह नई एवं अनूठी पहल थी। सुबह नाश्ता एवं दोपहर के भोजन की सुन्दर व्यवस्था की गई थी। सभी लोगों के बैठने, आवास, यातायात, लॉकर, चिकित्सा की बहुत सुन्दर एवं सुचारू व्यवस्था थी, जिसके लिए समितियों के संयोजक–उपसंयोजक एवं उनकी समस्त टीम साधुवाद की पात्र है।

सायं 6:30 बजे 51 दीपों से महाआरती का आयोजन महिला मंडल के द्वारा दी गई प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। रात्रि में सभी शाखाओं के द्वारा दी गई सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां भी बहुत सुन्दर थीं।

8 तारीख को बारात की निकासी मुख्य बाजार से होते हुए शादी के पाण्डाल तक पहुंचकर, वरमाला एवं आशीर्वाद समारोह खचाखच भरे पाण्डाल की मौजूदगी में हुआ। इसके पश्चात सभी बारातियों एवं समाज बन्धुओं ने सआनन्द भोजन ग्रहण किया। इस सामुहिक विवाह में छः जोड़े शादी के बन्धन में बंधकर अपने वैवाहिक जीवन की शुरूआत कर रहे थे, जिसके गवाह सभी समाजबन्धु बने। इस पूरे आयोजन को तन–मन–धन से सफल बनाने के लिए पुनः ग्वालियर शाखा को बधाई, साधुवाद एवं धन्यवाद।

–पारस जैन, गहनौली
सह–संपादक, श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका
204–बी, 10बी स्कीम, जयपुर

प्रसन्नता का राज यही है

एक बार एक संत अपने आश्रम के नजदीक एक बगीचे में पहुंचे तो देखते है कि सारे पेड़–पौधे मुरझाए हुए हैं। यह देख कर संत चिंतित हो गए और एक–एक कर उन सबसे उनकी हालत की वजह को जानना चाहा। ओक के वृक्ष ने कहा मैं मर रहा हूँ क्योंकि मुझे ईश्वर ने देवदार के जितना लम्बा नहीं बनाया। संत ने देवदार की ओर देखा तो उसके भी कंधे झुके हुए थे वह इसलिए मुरझा गया था क्योंकि वह अंगूर के पेड़ की तरह फल पैदा नहीं कर सकता था। वहीं अंगूर की बेल इसलिए मरी जा रही थी क्यों कि वह गुलाब की तरह सुगंधित फूल नहीं दे रही थी। संत थोड़ा आगे बढ़े तो उन्हें एक ऐसा पेड़ नजर आया जो भरपूर खिला और ताजगी से भरा हुआ था। संत ने उससे पूछा बड़े कमाल की बात है, मैं पूरे बगीचे में घूमा हूं तुम केवल एकमात्र संतुष्ट और शांत मिले जबकि बाकी अन्य मायने में तुमसे अधिक बड़े और मजबूत पेड़–पौधे हैं। वह पौधा बोला सब अपनी खूबियां नहीं पहचानते। ये नहीं जानते कि वे भी अपने आप में बहुत विशेष हैं। ये केवल दूसरों की विशेषताओं पर अधिक ध्यान देते हैं इसलिए दुखी हैं जबकि मैं जानता हूं कि मेरे मालिक ने मुझे लगाया है तो उसके पीछे कुछ न कुछ उसका उद्देश्य होगा। वो चाहता होगा कि मैं इस बगीचें की समृद्धि का हिस्सा बनूं। इसलिए खुश हूं क्योंकि मैं जानता हूं मेरा यहां होना औचित्यहीन नहीं है। इसलिए मैं किसी और की तरह बनने की अपेक्षा खुद की क्षमताओं पर अधिक भरोसा करता हूं यही मेरी प्रसन्नता का राज है।

जयपुर
शिखर जी की यात्रा का आयोजन

दिनांक 6.10.2019 को श्री सुरेश चंद जी, रि. तहसीलदार एवं श्री सुरेश चंद जी परवेणी के नेतृत्व में श्री पल्लीवान जैन तीर्थ यात्रा संघ द्वारा सम्मेद शिखर जी की यात्रा का आयोजन दिनांक 6.10.2019 से 20.10.2019 तक किया गया। यात्रा श्री चन्द्रप्रभु जैन मन्दिर, शक्ति नगर, जयपुर से वातानूकूलित बस द्वारा 41 यात्री तथा 4 सकर्मी कुल 45 यात्रियों का दल को श्री शिखर चन्द जी जैन रि. आर.ए.एस. ने जैन ध्वज दिखा कर प्रस्थान करवाया।

सर्वप्रथम भरतपुर में राजेन्द्र सूरी धाम के दर्शन वंदन कर फिरोजाबाद, मरस्तगंज, शोरीपुर, बठेश्वर, आदिनाथ भगवान की तपोस्थली प्रयागराज इलाहाबाद पहुंचे।

यात्रा के आगामी पड़ाव में प्रभास गिरी कौशम्बी पदमप्रभु गर्भ जन्म कल्याणक भूमि, भेलुपुर पार्श्वनाथ, कुमार अवस्था स्थल हाते हुए सांयकाल बनारस में गंगा आरती का दृश्य देखा।

यात्रा में काशी विश्वनाथ ज्योर्तिलिंग, सारनाथ, बोधगया के दर्शन करते हुए शिखर जी पहुंचे एवं सभी टोंकों के वंदन दर्शन किये।

वापसी में मंदागिरी, चम्पापुर, राजगृही, पावापुरी दर्शन किये। मौर्य काल के प्रसिद्ध शिक्षा केन्द्र नालंदा विश्वविद्यालय, पटना होकर राजगृही वैशाली, काठमाण्डु नेपाल गये। रामजन्म स्थल अयोध्या, मंगलायतन, मथुरा चौरासी के दर्शन कर सकुशल जयपुर पहुंच यात्रा की इतिश्री की।

पहला चक्रवर्ती विवाह बल्लभगढ़ में सम्पन्न

बड़े हर्ष का विषय है कि **पहला चक्रवर्ती विवाह** श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, चावला कॉलोनी, बल्लभगढ़ में सम्पन्न हुआ। श्रीमती शकुन्तला जैन एवं श्री देवेंद्र जैन की सुपुत्री **सौ.कां. रूबी जैन संग चि. निशांक जैन** का चक्रवर्ती विवाह दिनांक 15.11.2019 दिन शुक्रवार को समय प्रातः 8 बजे मन्दिर जी में मुनिश्री प्रभाव सागर जी के सानिध्य में पूरे जैन विधि–विधान से सम्पन्न हुआ। ये विवाह अपने आप में अनुकरणीय व अद्भुत था। आज के चकाचौंध व दिखावे के दौर में ये विवाह एक संदेश देता है। हम इस नई पहल के लिए श्री देवेंद्र जैन परिवार का बहुत आभार व्यक्त करते हैं और उम्मीद करते हैं कि आने वाले समय में इस नयी विवाह परम्परा को हम सब जैन बंधु भी अंगीकार करेंगे।

–अभिषेक पूजा समिति
बल्लभगढ़, फरीदाबाद

साधना

मानव जीवन के समक्ष सबसे बड़ा लक्ष्य एवं उद्देश्य दुःख मुक्त होना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वह हमेशा प्रयासरत रहता है। अपनी आजीविका के साथ अपनी आध्यात्मिक साधना में संलग्न रह कर सुख प्राप्त करता है। साधना में प्राणी का प्राणी के प्रति अपरिमित प्रेम परिव्याप्त रहता है अतः समग्र जीवों के प्रति स्नेह सहानुभूति रखता है। भारतीय धर्म दर्शन और संस्कृति की तीन प्रधानधाराएं हैं– जैन, बौद्ध और वैदिक और संस्कृति की साधना में मुख्य रूप से जैन दर्शन में तीन अंग माने गये है – सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र इसी को रत्नत्रय अथवा रत्नत्रयी कहा गया है।

जैन संस्कृति की साधनों के अनुसार सबसे प्रथम रागद्वेष विजेता देव पंच महाव्रत धारी एवं पंच समिति, तीन गुप्ति के पालक गुरू एवं रत्नत्रय धर्म के साधकों को अपना साध्य स्वीकार किया गया है। सम्यग्दर्शन जीवन की सच्चाई समझने में सहायक है। मैं क्या हूं ? तथा मेरे भिन्न जड़ जगत क्या है ? इस प्रकार के भेद विज्ञान को अर्थात् यथार्थ को ही सम्यग्दर्शन कहा गया है जब तक साधन को यह यथार्थ ज्ञान नहीं होगा वह साधना के लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकेगा।

साधना में अशुभ से निवृति एवं शुभ की प्राप्ति होती है। सम्यक ज्ञान अर्थात् जो हमने समझा जाना तथा विश्वास किया है उसीके अनुसार आचरण करने जीवन जीना सम्यक चरित्र है। अध्यात्म जीवन में दर्शन साधना–ज्ञान साधना और चरित्र साधना का समन्वय आवश्यक है। सम्यग्दर्शन सही दृष्टि प्रदान करता है, सम्यक ज्ञान से वस्तुस्थिति का बोध तथा चरित्र साधना से अशुभ से निवृति तथा शुभ की प्राप्ति होती है।

अतः आचार के साथ विचार की साधना जीवन को परिपूर्ण बनाती है। साधक का चिन्तन अनुभव जितना सूक्ष्म होगा अन्तःस्पर्शी होगा, वह लक्ष्य कर सकेगा। साधना में आत्म स्वरूप व संबंधी चिन्तवन से आत्मगुणों का साक्षात्कार किया जाता है, यह चिन्तवन जीवों को शाश्वत सुख उपलब्ध करता है।

भगवान महावीर ने कहा है ''यदि सच्चा शाश्वत सुख प्राप्त करना है तो सबसे पहले स्वयं को जाने यह सत्य, हृदयंगम हो जाना आवश्यक है।''

बौध दर्शन एवं बौध संस्कृति में जगत को दुःख माना गया है तथा प्रत्येक प्राणी जन्म, जरा, मरण और रोग से पीड़ित है। इसका कारण तृष्णा को माना है, इन तृष्णा विमुक्त होने का प्रयास को ही साधना बताया है। यह साधना निराकार की साधना है। वैदिक धर्म दर्शन और संस्कृति में तीन–तीन मार्ग साधना के बताये गये हैं– ज्ञानयोग, कर्मयोग व अहियोग। इन्हें साध्य नहीं साधन माना गया है। ज्ञान साधना निराकार की साधना है तथ अहिसाधना साकार की साधना है। अहियोगकी साधाना शक्ति की साधना है। साधक अपने हिसाब से साधना का चुनाव कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करता है। साधक साधना के माध्यम से अपने लक्ष्य श्वाश्वत सुख को प्राप्त करने में संलग्न है।

–सुमति चंद जैन
मुकाम पोस्ट खोह (अलवर)

कोई अर्थ नहीं

नित जीवन के संघर्षों से
जब टूट चुका हो अन्तर्मन,
तब सुख के मिले समन्दर का
रह जाता कोई अर्थ नहीं॥

जब फसल सूख कर जल के बिन
तिनका -तिनका बन गिर जाये,
फिर होने वाली वर्षा का
रह जाता कोई अर्थ नहीं॥

सम्बन्ध कोई भी हों लेकिन
यदि दुःख में साथ न दें अपना,
फिर सुख में उन सम्बन्धों का
रह जाता कोई अर्थ नहीं॥

छोटी-छोटी खुशियों के क्षण
निकले जाते हैं रोज़ जहाँ,
फिर सुख की नित्य प्रतीक्षा का
रह जाता कोई अर्थ नहीं॥

मन कटुवाणी से आहत हो
भीतर तक छलनी हो जाये,
फिर बाद कहे प्रिय वचनों का
रह जाता कोई अर्थ नहीं॥

सुख-साधन चाहे जितने हों
पर काया रोगों का घर हो,
फिर उन अगनित सुविधाओं का
रह जाता कोई अर्थ नहीं॥

-आयुष जैन
सी-326, सूर्य नगर, अलवर

दुःख और सुख की अनुभूति करना सीखें

****

जीवन का हर क्षण दुःख और सुख दोनों से भर है। हमें अपने जीवन में दोनों को बराबर भोगना पड़ेगा पर पता नहीं क्यों दुःख आने से पहले ही लोग उसकी कल्पना मात्र से ही घबरा जाते हैं उसके बारे में सोचने लगते हैं और अपने जीवन में निराशा के बीज बो देते हैं। इतने हतोत्साहित हो जाते हैं कि कभी–कभी तो अपने जीवन को ही समाप्त कर देते हैं। पर, ये नहीं समझते कि दुःख रूपी अंधकार के बाद सुख रूपी सूर्य तुम्हारा इन्तजार कर रहा है। तुम्हें प्रकाशवान करने के लिये तत्पर है। दुःख तो तुम्हारी सिर्फहिम्मत की परीक्षा है। तुम इस दुःख रूपी कसौटी पर कितने खरे उतरते हो। यही तुम्हारी हिम्मत का परिचय है। इसलिये दुःख से मत घबराओ। किसी ने सच कहा है–

''परछाईयों से कभी मत डरो, इनकी उपस्थिति का सीधा अर्थ यही है कि आसपास ही कहीं रोशन चमक रही है।''

जीवन में दुःख के कई क्षण आयेगें और ये आपको इतने लम्बे प्रतीत होंगे जैसे समाप्त ही न होने वाले हो लेकिन सच्चाई ये है कि दुःख के बाद सुख की अनुभूति करना एक अलग तरह का ही अनुभव है। क्योंकि जीवन रूपी बेल पर सभी फल मीठे नहीं होते, कुछ खट्टे भी होते हैं। जीवन तो हिम्मत का सौदा है। यह तो दुःख में सुख ढूंढ़ने की कला है। जिसने भी इस कला में दक्षता हासिल कर ली समझ लो उसने जीवन रूपी रण में अपना कौशल दिखला दिया। इसलिये अपने को जीवन में दुःख और सुख दोनों का एडजस्टमेंट करना पड़ेगा। किसी ने कहा भी है–

''बिना दुःख के सुख निस्सार,
बिना आंसू के जीवन भार।''

इसलिये दुःख को हंसकर सही, उसमें आनन्द ढूंढो। अपने कर्तव्य को निरन्तर करते जाओ और अपने श्राद्धेय को मत भूलो, क्योकि से सदा तुम्हारे साथ है आप जिस पर भी अपनी श्रृद्धा रखते है चाहे वो परमपिता परमेश्वर हो या आपके गुरु हो। सच्चे भक्त की जीव अवश्य होती है। इसलिये कांटो की चुभन से कभी मत डरो। अगर महकते फूलों की खुशबू चाहिये तन्हाई में कभी मत घबराओ। यदि प्रेम से भरा आलिंगन चाहिये बिछुड़ने पर मत डरो। अगर खनकती हुई हंसी चाहिये खोने पर आंसू मत बहाओ क्यूंकि पाने का एहसास भी तुम्हें करना है। खोकर पाने में जो मजा है, जो आनंद है वो अन्य किसी चीज में नहीं। जो वस्तु या जो लोग आपके लायक नहीं है भगवान स्वयं उन्हें आप से दूर कर देते हैं अतः किसी के लिए आंसू क्या बहाना।

दुःख और सुख आपकी सम्पति है। यह आपके उपर है कि उसे भोगना किस तरह चाहते है रोकर या हंसकर। जो रोकर भोगता है वह मूर्ख है और जो हंसकर भोगता है वह समझदार है।

हम आपसे कहते है थोड़ा विचार बदले, आपकी पीड़ायें स्वयं खत्म हो जायेगी। जीवन में दुःख है कहां, अगर है तो उसमें सुख खोजकर जिये। बड़े–बड़े दुःखों में भी छोटे–छोट सुख छुपे रहते हैं। बस अनुभव करने की बात है महसूस करो और उसी को पकड़कर जिओ। आपक जीवन महक जायेगा आनन्द बरस जायेगा। व्यक्ति को जो मिलता है उसमें ध्यान नहीं देता और जो मिलता नहीं इसको चाहता है।

तुम्हारे पास इतनी बहुमूल्या चीजे है फिर भी तुम दुःखी हो। उसका उपयोग करो, जीवन से बड़ी कोई संपदा नहीं है, अगर आपके पास जीवन रूपी संपदा है तो दुःखी मत होना, बल्कि जीवन में सुख की खोज करना।

''दुख में मत घबराओ मेरे साथी,
सुख–दुःख तो जीवन का शृंगार है।''

अर्थात् जीवन में सुख या दुःख कुछ भी हो लेकिन दुःख में सुख की अनुभूति करो क्योंकि सुख और दुख दोनों जीवन का शृंगार है।

अन्त में यहीं कहूंगी कि–

''दुखों से मत घबराओ,
बल्कि इन्हें अपना बनाओ।
क्योंकि हम इनके कर्जदार हैं,
हर एक सुख के दुःख ही तो जिम्मेदार हैं॥''

अपने सुख के साथ दूसरों के सुख की कामना करो और वही चाहो जो अपने लिये चाहते हो।

–श्रीमती सन्तोष जैन
102/117, जय पारस, मीरा मार्ग मन्दिर,
मानसरोवर, जयपुर

अकल

एक पंडित ने राजा के समक्ष कहा, हे महाराज– राजा तो अपने राज्य में पूजनीय होता है। परन्तु पंडित (बुद्धिमान) की सर्वत्र पूजा होती है। इस वाक्य को सुनकर राजा को बड़ा कष्ट हुआ और क्रोधित होकर पंडित को बांध कर एक शेर की गुफा के बाहर डलवा दिया, देखते हैं कैसे पूजा जाता है। मरने की घड़ी उपस्थित हो गई। गुफा में शेर–शेरनी में विवाद हो गया कि सर्दी पौष या माघ माह में किसमें अधिक पड़ती है। शेरनी ने कहा सर्दी अधिक माघ महीने में पड़ती है, परन्तु शेर का कहना था कि माघ से पौष में अधिक पड़ती है। दोनों अपनी–अपनी बात पर अड़े रहे। विवाद बढ़ गया किसी तीसरे से फैसला करवाने हेतु दोनों गुफा से बाहर निकले। बाहर हाथ पैर बंधा एक मनुष्य पड़ा था। दोनों ने उस व्यक्ति (पंडित) को अपनी बात सुनायी और निर्णय देने को कहा। पंडित ने सोचा मौत तो हर हालत में होनी है परन्तु दोनों में से जो नाराज होगा वह तुरन्त प्राण लेगा।

पंडित बुद्धिमान व चतुर था। थोड़ी देर सोच कर बोला कि आप दोनों सुनिये सर्दी न तो पोष में अधिक पड़ती है न माघ में अधिक पड़ती है, जिस दिन हवा तेज होती है, उस दिन सर्दी अधिक पड़ती है। चाहे पौष हो या माघ हो। उसने दोनों को खुश करना चाहा। तीर निशाने पर लगा, दोनों उस बात पर प्रसन्न हुए। दोनों का विवाद मिट गया। शेर ने कहा मैं आपके निर्णय से प्रसन्न हूं। आपकी कोई इच्छा पूर्ण कर सकता हूं।

पंडित बोला यदि आप मेरे से प्रसन्न हैं तो मुझे अपनी पीठ पर बैठाकर राजा के समक्ष चलिये। राजा के हाथों से मेरा बन्धन खुलवा दीजिये। ऐसा ही हुआ। राजा नतमस्तक हुआ। यह है बुद्धि (अकल) का चमत्कार।

विद्या और धन

विद्या और धन में बहुत अन्तर है। विद्या खर्च करने पर बढ़ती है। जबकि धन खर्च करने पर घटता है। विद्या रूपी धन को चोर चुरा नहीं सकता है वह गुप्त धन है। परन्तु रूपये पैसों को चोर चुरा कर ले जाते हैं। विद्या से धन की प्राप्ति होती है। धन के द्वारा विद्या नहीं मिलती।

–उत्तमचन्द जैन (उपाध्यक्ष)
2/237 न्यू कालोनी बिरलानगर,
हजीरा, ग्वालियर

मेरे मन की उथल पुथल

मेरे मन की उथल पुथल,
चाहती है इक नयी पहल।
खेतों में खलिहानों में,
बगिया में बागानों में।
देश के सारे उद्यानों में,
भारत माँ के आंचल में।
होने लगे अब ऐसी फसल,
खाकर मन हो जाये सरल।
मेरे मन की उथल पुथल,
चाहती है इक नयी पहल!

मंदिर मस्जिद गुरुद्वारों में,
माँ भगवती के दरबारो में।
जिंदगी के जिनालयों में,
ऐसी अविरल ज्योति जले।
विषय, विकारों का जिसमें,
स्वाहा, स्वाहा होता चले।
और दिल बन जायें निश्छल,
मन हो जायें निर्मल, निर्मल।
मेरे मन की उथल पुथल,
चाहती है इक नयी पहल!

हर घर की चौखट के आगे,
हर सड़क के चौराहे पर।
गाँव गाँव की चौपालों पर,
शहर शहर के बाजारों में।
बुरी नजर की होली जले,
पवित्रता की ज्योति जले।
सम्यक दृष्टि से आलोकित,
हो जाये आने वाला कल।
मेरे मन की उथल पुथल,
चाहती है इक नयी पहल!

मेरे देश के विद्यालयों में,
संस्कारों की शालाओं में।
जन जन की अभिलाषा में,
हर प्राणी की स्वभाषा में।
मैत्री भाव की चले नजर,
बन जाये एक सच्ची डगर।
जिस पर चल कर आ जाये,
सुनव, सुनीति की एक लहर।
मेरे मन की उथल पुथल,
चाहती है इक नयी पहल!

*–**सुनीता जैन** 'सुनीति', भरतपुर*
राजस्थान महिला प्रतिनिधि
अ.भा. पल्लीवाल महासभा

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9899823557 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Santosh Mineral & Chemical Co.
★ S.B. Jain Mineral Enterprises
★ Super Fine Mineral Traders
★ Shree Vimal Silica Traders
★ Quality Silica Traders

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : 098372-53305
090128-74922
05612-260096

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती ओमवती जी जैन

(स्वर्गवास : 27.09.2019)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता को
हम सभी शत् शत् नमन करते हुए आपको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्री ताराचन्द जैन (पति)
(सेवानिवृत अध्यापक समराया - भरतपुर वाले)

पुत्र-पुत्रवधु :
सुधीर जैन-आशा जैन
सन्देश जैन-निर्मला जैन
प्रमोद जैन-सुधा जैन

पौत्र, पौत्री :
आरजू, सिद्धार्थ,
साहिल, दीक्षा, प्रतीक

जेठ-जेठानी :
श्री अमीर चन्द जैन-मुन्नी देवी जैन
श्रीमती प्रभावती जैन

पुत्री-दामाद :
सन्तोष जैन-प्रदीप जैन *(खोह)*
अनिता जैन-विमल जैन *(सेवर)*

नवासा-नवासी :
प्रशान्त-रिमझिम,
रघू-नेहा,
विशाल, डिम्पल, अंशुल

प्रतिष्ठान :
जैन कोर पैक, भिवाडी (अलवर)
जैनसन पेपर ट्यूब इंडस्ट्रीज, फरीदाबाद
सिद्धार्थ इंडस्ट्रीज, बस्सी (जयपुर)
साहिल पेपर टेक फरीदाबाद
SSP मल्टीपैक कोसीकलां
मो.: 9783273303, 9811375988, 9999973588

निवास :
*13 सैक्टर 2, भिवाडी, अलवर
*सी-95, प्रथम तल, अशोका इन्कलेव
सेक्टर-37 फरीदाबाद (हरियाणा)

प्रथम पुण्य तिथि

के अवसर पर

हमारी स्मरांजलि व चरणों मे शत् शत् नमन

स्व. श्रीमती कमलादेवी विमलचंद जी जैन

(स्वर्गवास : 07.12.2018)

आपके द्वारा परिवार को एक सूत्र में बांध कर रखने की कला व धार्मिक प्रवृति ही अब हमारी प्रेरणा, प्रोत्साहन व आशीर्वाद है। हम पूरे परिवारी जन इस प्रथम पुण्य तिथि को मन की गहराईयों से आपका स्मरण करते हुए आपके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं, इस विश्वास के साथ कि किसी न किसी रूप मे आज भी आप हमारे साथ हैं।

श्रृद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
विजय जैन
राजकुमार-अनीता जैन
अनिल-भैरवी जैन
अश्विन-अर्चना जैन
गांधीधाम (कच्छ) गुजरात

पौत्र-पौत्री :
निखिल-अपूर्वा, यू.एस.ए.
डॉ. नेहा-विनय, बैंगलोर
मैत्री, अभिषेक,
अभिनव, मितालो व मौत

प्रतिष्ठान :
सॉफ्टल मशिंस प्राइवेट लिमीटेड चिरई, गांधीधाम
मो. 9879745688
क्वालिटी इंजीनीयर्स, गांधीधाम
बोश इंजीनीयर्स, गांधीधाम
मो. 9825225529

पुत्री-दामाद :
बीना-कैलाश चंद जी जैन,
जयपुर
सुनीता-दिनेश चंद जी जैन,
ग्रेटर नोएडा

धोते-धोत्री :
डॉ. जैनेन्द्र जैन-डॉ. मनीषा जैन,
जयपुर
नगेन्द्र जैन-विनिका जैन,
बफैलो, यू.एस.ए.
अंकित जैन,
केलिफोर्निया, यू.एस.ए.
अनुष्का जैन

निवास : 156, 12-सी, लीलाशाह नगर, गांधीधाम, कच्छ, गुजरात

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

पत्रिका सहायता

★ **श्री ज्ञानचन्द जी जैन** (पुत्र स्व. श्री नानग राम जी जैन) एवं **श्रीमती विजया जी जैन,** ए–12, सुन्दर सिंह भण्डारी नगर, सोडाला, जयपुर ने अपनी शादी की 51वीं वर्षगांठ पर रुपये 1100/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2183)*

★ **श्री रिखब चन्द जी जैन,** 93, कलाकुंज कॉलोनी, मारूती स्टेट, आगरा ने अपनी पत्नी श्रीमती राजकुमारी जैन (सुपुत्री श्री सुमेर चन्द जी जैन 'भगत') के दिनांक 25.10.2019 को स्वर्गवास होने पर उनकी पुण्य स्मृति में रुपये 500/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2189)*

★ **श्रीमती सरोज जी जैन** पत्नी स्व. श्री रमेश चन्द जी जैन, प्रताप नगर, जयपुर ने अपने सुपुत्र चि. गिरीश जैन संग सौ.कां. सीमा जैन सुपुत्री स्व. श्री बसन्त लाल जी जैन, लखनऊ के विवाहोपलक्ष पर रुपये 500/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2193)*

★ **श्री धर्मचन्द जी जैन, राजेन्द्र प्रसाद जी जैन,** 76, मुक्तानन्द नगर, जयपुर ने अपनी माताजी श्रीमती मिश्री देवी जी जैन (धर्मपत्नी स्व. श्री ज्ञानचन्द जी जैन, खोह वाले) के दिनांक 08.11.2019 को देहावसान होने पर उनकी पुण्य स्मृति में रुपये 1100/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–2194)*

पत्रिका सदस्यता

3031. **Sh. Yogendra Prakash Ji Jain,** S/o Late Sh. Hajari Lal Ji Jain, 847, Nai Basti, Firozabad-283203, Mob.: 9837610371 *(CR D-2143)*

3032. **Sh. Yatendra Ji Jain,** H.No. 1, Parash Nath Colony, Galena Road, In Front of Primary Schppl, Post Sikandra, Dist. Agra-282007, Mob.: 9719017289 *(CR D-2191)*

3033. **Sh. Ravindra Kumar Ji Jain,** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, H.No. 255, Sector 07, Avas Vikas Colony, Bodla, Sikandra, Agra-282007, Mob.: 9411926790 *(CR D-2192)*

3034. **Sh. Gaurav Ji Jain,** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, 485/35, Palbecchla, Kokail Kunj, Sukh Dev Bhawan Ke Samane, Ajmer-305001, Mob.: 8112267763 *(CR D-2190)*

3035. **Sh. Naresh Ji Jain,** Netraheen Vikas Sansthan, D Sector, Kamla Nehru Nagar, Jodhpur-342008, Mob.: 9460649839 *(CR D-2136)*

महासभा सहायता

★ **श्री रिखब चन्द जी जैन,** 93, कलाकुंज कॉलोनी, मारूती स्टेट, आगरा ने अपनी पत्नी श्रीमती राजकुमारी जैन (सुपुत्री श्री सुमेर चन्द जी जैन 'भगत') के दिनांक 25.10.2019 को स्वर्गवास होने पर उनकी पुण्य स्मृति में रुपये 500/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 4683)*

विधवा सहायता

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन पंकज जैन** 12, रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली ने विधवा सहायता हेतु रुपये 10,000/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 386)*

★ **श्रीमती संजू जी जैन,** जैन स्ट्रीट, कन्नौज (उ.प्र.) ने विधवा सहायता हेतु रुपये 12,000/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 387)*

★ **श्री शेखर जी संस्कार कुमार जैन,** मुरैना (म.प्र.) ने विधवा सहायता हेतु रुपये 1100/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 388)*

★ **श्री नत्थीलाल जी प्रदीप कुमार जैन,** आर्य नगर, अजमेर ने विधवा सहायता हेतु रुपये 24,000/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 389)*

★ **श्री जगदीश प्रसाद जी भागचंद जैन** (नागल सहाड़ी वाले) 126, स्कीम नं. 4, अलवर ने अपने पूज्य पिताजी स्व. श्री विनय चन्द जी जैन पटवारी की अष्टम पुण्य तिथि (दिनांक 19.12.2019) पर उनकी स्मृति में विधवा सहायता हेतु रुपये 12,000/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 395)*

महासभा सदस्यता

★ **श्रीमती मिक्की जैन** पत्नी श्री अश्विनी जैन, ग्राम लिबारी, जयसम्मद रोड, अलवर *(र.सं. 390)*

★ **श्री सौरभ जैन** पुत्र श्री दीवान अनिल कुमार जैन, ग्राम लिबारी, जयसम्मद रोड, अलवर *(र.सं. 391)*

★ **श्री अश्विनी जैन** पुत्र श्री दीवान अनिल कुमार जैन, ग्राम लिबारी, जयसम्मद रोड, अलवर *(र.सं. 392)*

★ **श्रीमती दीपा जैन** पत्नी श्री सौरभ जैन, ग्राम लिबारी, जयसम्मद रोड, अलवर *(र.सं. 393)*

★ **श्रीमती शशिबाला जैन** पत्नी स्व. श्री दीवान अनिल कुमार जैन, ग्राम लिबारी, जयसम्मद रोड, अलवर *(र.सं. 394)*

शाखा आगरा

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 अक्टूबर पर सल्लेखना रत्न आचार्य श्री 108 मेरु भूषण जी महाराज के सानिध्य में अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा आगरा द्वारा पल्लीवाल मेला क्षमावाणी पर्व, वृद्धजन सम्मान, प्रतिभा प्रोत्साहन, खेलकूद, रक्तदान शिविर एवं आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से चल रही प्रतिभा स्थली के बारे में इंदौर से आई ब्रह्मचारिणी दीदी का विशेष उद्बोधन रहा सभी कार्यक्रमों में पल्लीवाल आगरा एवं ग्रामीण समाज के महिलाएं पुरुष बच्चे सम्मिलित हुए। 2 अक्टूबर मेले में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीमान राजीव रतन जी एवं राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा जैन जी उपस्थित रहे। वात्सल्य भोजन के बाद समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। आगरा पल्लीवाल जैन समाज के प्रमुख वक्ताओं ने अपने उद्बोधन एवं विचार प्रस्तुत किए। जिसमें प्रमुख रूप से विशिष्ट अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र जैन जी ने कहा कि समाज की महिला मंडल ही नहीं अपितु पूरे पल्लीवाल जैन समाज की महिलाओं से मेरा आग्रह है कि अपने बच्चों को हाई एजुकेशन तो दें लेकिन उन्हें ऐसे संस्कार दें कि वह अंतरजातीय विवाह ना करें अपने जैन समाज में ही विवाह करें जिससे समाज बचा रहे। शिखर जैन सिंघाई जी ने कहा कि यह 2 अक्टूबर का मेला हम क्षमावाणी पर्व के रूप में मनाते हैं जैन धर्म में क्षमा का बहुत बड़ा स्थान है क्षमा वीरों का आभूषण है। शाखा मंत्री राहुल के जैन एड. ने कहा कि समाज में एकता का अभाव है, हम लोग एक साथ रहते तो हैं, एक साथ देखते भी हैं क्या हम लोग एक दूजे की उन्नति और प्रगति में साथ देते हैं अगर नहीं तो यह एकता नहीं है पल्लीवाल समाज को उन्नति के शिखर पर अगर पहुंचाना है तो हम एक साथ रहें भी और एक दूजे के साथ ही दें, सही मायने में इसे ही यूनिटी कहा जाता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद शाखा अध्यक्ष आगरा के श्री शिवकुमार जी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से श्री महावीर प्रसाद जैन, केंद्रीय संयुक्त मंत्री श्री विमल जैन, केंद्रीय संगठन मंत्री श्री प्रमेंद्र जैन, श्री मनीष जैन, श्री निर्मल कुमार जैन, श्री विजय जैन केंद्रीय युवक मंडल के सह संयोजक श्री शिवम जैन, श्री अनिल जैन बजाज, श्री आर.सी. जैन, श्री संदीप जैन, श्री दीपक जैन, श्री राकेश जैन, श्री आलोक, महिला मंडल की केंद्रीय सह संयोजिका श्रीमती वंदना जैन, श्रीमती उषा जैन मारसंस, संतोष जैन बरौलिया, श्रीमती सपना जैन, साधना जैन, रेखा जैन, अदिति जैन, चंचल जैन, रजनी जैन, युवक मंडल आगरा के श्री अंकित जैन, श्री शिवम जैन, श्री यामेश जैन, श्री सिद्धार्थ जैन आदि बड़ी संख्या में पल्लीवाल समाज के महानुभाव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन (शाखा मंत्री) श्री राहुल जैन एडवोकेट ने किया।

****

शाखा इन्दौर

अ.भा.प. जैन महासभा शाखा इन्दौर के तत्वावधान में दिनांक 20.9.2019 को उदासीन आश्रम पलासिया इन्दौर में श्वेतपिच्छाचार्य वयोवृद्ध संत श्री 108 विद्यानंद जी महाराज के यम सल्लेखना सद्भावना निर्वीकार सम्पन्न हो तथा शाखा के उपाध्यक्ष श्री धर्मचन्द जैन के स्वास्थ्य लाभ के लिए भक्ताम्बर जी का पाठ रखा, इस अवसर पर मथुरा शाखा के श्री अशोक जैन तथा श्री दिनेश जैन का हार्दिक स्वागत किया एवं सोलह कारण के 32 उपवास करने वाले श्री महेश कुमार जैन और दसलक्षण पर्व पर उपवास करने वाले श्री सुधीर कुमार जैन श्रीमती ममता जैन श्रीमती उषा जैन का अभिवादन किया गया और अंत में श्रीजी की आरती कर कार्यक्रम का समापन हुआ तत्पश्चात सभी ने एक दुसरे से क्षमायाचना की यह जानकारी शाखा के प्रचार मंत्री श्री ऋषभ कुमार जैन ने दी।

वयोवृद्ध समाजसेवी श्री धरमचंद जैन का निधन

अ.भा.प. जैन महासभा शाखा इन्दौर के संरक्षक, उद्योगपति, सरल स्वभावी दानशील **श्री धरमचंद जैन** का 81 वर्ष की आयु में दिनांक 24 सितम्बर 2019 को निधन हो गया। वे स्व. श्रीमती आदर्शदेवी जैन के पति तथा श्री मोहित जैन के पिताजी थे। उनके निधन पर अनेक उद्योगपति व समाजसेवी गण शवयात्रा में सम्मिलित हुए। रामबाग मुक्तिधाम स्थित विद्युत शवदाहगृह पर हुई अन्त्येष्टि के पश्चात् वहीं संपन्न शोकसभा में सर्वश्री प्रदीप चैधरी, जयसेन जैन, सुगनचंद जैन, राजीवरतन जैन, हुकमचंद जैन शाहबजाज, विजय बड़जात्या, डॉ. वी.के. जैन अजमेर, प्रदीप टोंग्या आदि ने विभिन्न संस्थाओं की ओर से दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित की। अ.भा.प. जैन महासभा दिवंगत आत्मा को श्रृद्धांजलि अर्पित करती है।

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

13 अक्टूबर 2019 को जयपुर में आयोजित पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति की ओर से प्रतिभावान छात्रों को जिन्होंने दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड में 95% से अधिक अंक प्राप्त किये, को 5,100/– एवं 11,000/– की राशि के चैक प्रदान किए।

उपरोक्त प्रतिभावान पुरस्कार के प्रायोजक ''विद्यामती माताजी स्मृति ट्रस्ट, जयपुर'' के ट्रस्टी श्री निर्मल कुमार जैन (रिटायर्ड डी.जी.एम. राजस्थान बैंक) एवं ''श्री चिम्मनलाल जैन ट्रस्ट'' की ओर से श्री देवेन्द्र कुमार, नितिष जैन, मानसरोवर, जयपुर थे।

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति प्रति वर्ष प्रतिभावन छात्रों को नगद पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित करती आ रही है एवं विगत कई वर्षों से जरूरतमंद छात्रों के फीस पुनर्भरण योजना के अन्तर्गत भी सहयोग करती आ रही है।

समाज बन्धुओं से अपेक्षा है कि उपरोक्त योजनाओं में सहभागी बनें।

–देवेन्द्र जैन
उपाध्यक्ष, पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

शोक संवेदना

श्रीमती राजकुमारी जी जैन धर्मपत्नी श्री रिखब चन्द जी जैन (सुपुत्री श्री सुमेर चन्द जी जैन 'भगत'), 93, कलाकुंज कॉलोनी, मारूती स्टेट, आगरा का देवलोक गमन दिनांक 25.10.2019 को हो गया है। आपका जीवन त्याग, सरलता, मधुरता, उदारता आदि सद्गुणों से युक्त था। आप श्रृद्धा भक्ति और सेवा भावना के उच्च आदर्शों के साथ स्वास्थ्य की अनुकूलता, प्रतिकूलता में भी सदा सक्रिय रहीं। आप मिलनसार, धार्मिक भावना से ओतप्रोत प्रवृत्ति की महिला थीं। नियमित मन्दिर जाना व आपने 108 विधान पूर्ण किये। साधु सन्तों, संघ सेवा में सदैव अग्रणी रहती थीं। धार्मिक भावना आपको बाल्यकाल से अपने पिताजी से मिली थी। अ.भा.प. जैन महासभा दिवंगत आत्मा को श्रृद्धांजलि अर्पित करती है।

श्री रमेश चन्द जी जैन पुत्र स्व. श्री नेमीचन्द जी जैन (अंगूठी वाले), 312, जयपुर हाउस, आगरा का देवलोक गमन दिनांक 08.11.2019 को हो गया है। आप मिलनसार, सुहृदय, साहसी, निडर व्यक्तित्व के धनी थे। समाज सेवा में सदैव अग्रणी रहते थे। अ.भा.प. जैन महासभा दिवंगत आत्मा को श्रृद्धांजलि अर्पित करती है।

श्रीमती मिश्री देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री ज्ञानचन्द जी जैन (खोह वाले), 76, मुक्तानन्द नगर, जयपुर का देहावसान दिनांक 8.11.2019 को 91 वर्ष की आयु में हो गया है। आप अत्यन्त धर्मपरायण, मिलनसार एवं सरल स्वभावी, मृदुभाषी थीं। अ.भा.प. जैन महासभा दिवंगत आत्मा को श्रृद्धांजलि अर्पित करती है।

श्री भीकम चन्द जी जैन (परबैनी वाले) डी9/54, चित्रकूट, वैशाली नगर, जयपुर का स्वर्गवास दिनांक 19.11.2019 को हो गया है। आप मिलनसार एवं सरल स्वभावी थे। अ.भा.प. जैन महासभा दिवंगत आत्मा को श्रृद्धांजलि अर्पित करती है।

श्रीमती ओमवती जी जैन पत्नी स्व. श्री कल्याण प्रसाद जी जैन (कटकड़ वाले) नवकार कम्प्यूटर वाले, हिण्डौन सिटी का स्वर्गवास दिनांक 07.11.2019 को हो गया है। आप धर्मपरायण, मिलनसार, सरल स्वभावी व मृदुभाषी थीं। अ.भा.प. जैन महासभा दिवंगत आत्मा को श्रृद्धांजलि अर्पित करती है।

श्री गौरव जी जैन पुत्र श्री रमेश चन्द जी जैन (अतिरिक्त कोषाधिकारी) हरसाना वाले, अलवर का अल्पायु में आकस्मिक निधन दि. 07.11.2019 को हो गया है। अ.भा.प. जैन महासभा दिवंगत आत्मा को श्रृद्धांजलि अर्पित करती है।

लड़की की तलाश

उस छोटे से नगर राजपुर में सुरेन्द्र कई माह पश्चात जा रहा था। पहले तो माह–दो माह में चक्कर लगता रहता था।

काम निपटाकर अपने मामा के लड़के सतीश की दुकान पर पहुंचा। सतीश बहुत गर्मजोशी से मिला व बोला, 'क्या बात बहुत दिनों बाद दर्शन हुए'

'बस इधर का कोई काम ही नहीं निकलता। बिना काम तो कहाँ आना हो पाता है।'

'वह तो है।'

चाय–पान के पश्चात सतीश बोला, 'भाई साब! आपको एक काम कहा था!'

सुरेन्द्र को कुछ समझ नहीं आया, सो उसने पूछ ही लिया, 'कौन–सा काम ?'

'वही, आपके भतीजे के लिए कोई अच्छी–सी शहरी लड़की देखने के लिए।'

सुरेन्द्र को याद आ गया। पिछले दो–तीन बार सतीश ने लड़के के रिश्ते के बारे में बात की थी।

'वह क्या है कि सतीश भाई, आजकल की पढ़ी–लिखी लड़कियाँ बड़े शहर में जाने को तो झट तैयार हो जाती है, लेकिन गाँव की ओर मुँह नहीं करती।'

'अब राजपुर गाँव थोड़ा ही न रह गया है भाई साब, अब तो सब–कुछ मिलता है यहां, पक्की सड़क जाती है शहर तक।'

'वह तो ठीक है, पर अपना राजू पढ़ा–लिखा भी तो नहीं है, अनपढ़ की ओर तो देखती भी नहीं लड़कियाँ.....'

'देखो भाई साब, राजू को अनपढ़ तो न बताओ, दस तक पढ़ा है, लाखों का हिसाब–किताब वही करता है दुकान का।

'दस क्या, अब तो लड़कियाँ बी.ए. को भी अनपढ़ ही गिनती हैं। और मुझे याद है..... आपने शादी पर आठ–दस लाख का खर्चा भी गिनाया था।'

सतीश को एकदम कोई जवाब नहीं सूझा। फिर उसने इधर–उधर देखा तथा कहा, 'भाई साब, आपकी दया से पैसे की कोई कमी नहीं। बस लड़के की जिद है कि लड़की लेनी है शहर की।

'अब तो शहर के गरीब की लड़की भी नखरे करने लगी है। करें भी क्यों न? लड़कियाँ मिलती भी कहाँ हैं। हर मौहल्ले में तीस–तीस साल के लड़के कुँवारें बैठे हैं।'

सतीश उसे बीच में ही टोकते हुए धीरे से बोला, 'आप पैसे की बात भूल जाओ, एक पैसा भी नहीं चाहिए। बस लड़की चाहिए बटुए जैसी! खाने का खर्च भी हम ही कर देंगे। बस किसी को पता न चले।'

सुरेन्द्र हैरानी से सतीश की ओर देख रहा था।

–रविन्द्र कुमार जैन

चौरसियावास रोड, द्वारका नगर, गली नं. 2, अजमेर

बधाई

श्री टीकमचंद जैन, जयपुर को ग्वालियर में सम्पन्न हुए अ.भा.प. जैन महासभा के स्वर्ण जयंति महोत्सव के अवसर पर साहित्य के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के लिए **'पल्लीवाल जैन गौरव'** की उपाधि से विभूषित किया गया। टीकम जी कई बार राष्ट्रीय एवं प्रदेश सरकार से सम्मानित किये गये हैं, इन्हें जैन समाज का 'कविवर' भी कहा जाता है। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा टीकम जी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

कार्तिक जैन पुत्र श्री संजीव कुमार जैन (तालचिड़ी वाले) ईमली फाटक, जयपुर ने Pia School Olympics Championship के 18 वर्ष में गोल्ड मेडल जीतकर समाज का गौरव बढ़ाया है। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा कार्तिक की इस उपलब्धि पर उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

आवश्यक सूचना

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के सदस्यों को पत्रिका न मिलने/देरी से मिलने की सूचना प्राप्त होने पर डाक विभाग में शिकायत किये जाने पर डाक विभाग से जानकारी प्राप्त हुयी है कि सम्भवत: एक स्थान पर एक समान नाम के व्यक्तियों के होने से/पत्रिका में पते के साथ पिन कोड नं. न होने/गलत होने के कारणों से पत्रिका नियत समय नहीं पहुँच पा रही होगी। अत: समस्त सदस्यों से अनुरोध है कि आपके पते को सही/दुरस्त किये जाने हेतु आप निम्न जानकारी (अंग्रेजी Capital अक्षरों में)–

(1) सदस्यता संख्या, (2) सदस्य का नाम, (3) सदस्य के पिता/पति का नाम, (4) पता, (5) जिले का नाम, (6) राज्य का नाम, (7) पिन कोड नं., (8) दूरभाष नं. / मोबाइल नं.

संयोजक के पते पर लिखित में अथवा ईमेल द्वारा अवगत कराने का श्रम करावें। ***–संयोजक***

समस्त पाठकों से निवेदन है कि श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका हेतु वैवाहिक विज्ञापन, पते में संशोधन व अन्य प्रकाशनार्थ सामग्री व्हाट्सएप पर न भेंजे। समस्त सामग्री ई–मेल या पोस्टल डाक से ही भिजवायें।

तृतीय पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि

स्व. श्री प्रकाश चन्द्र जी बरवासिया
(देवलोक : 30.11.2016)

स्व. श्रीमती शान्ती देवी जी जैन
(देवलोक : 19.11.2016)

हम सभी शत्-शत् नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
पवन-मिथलेश
अनिल-सुषमा
नूतन-सुचिता
पौत्र-पौत्रवधु :
अभिषेक (सी.ए.)-अंकिता
पौत्र, पौत्री :
शुभम, अंकिता,
पूर्वी, रिद्धि
पड़पौत्र :
सम्यक जैन

भ्राता :
रिखब चन्द्र जैन
विनोद-बीना
बहन-बहनोई :
त्रिशला
चन्द्रप्रभा-सुमेरचंद्र

एवं
समस्त बरवासिया परिवार

पुत्री-दामाद :
संगीता-विजय
कविता-पारस
पौत्र-पौत्री :
आकांक्षा-अर्पित
नवासा-नवासी :
गौरव-नेहा
दिपाली-रचित
सौरभ
अनमोल, अनोखी,
यसत्

प्रतिष्ठान :
नूतन स्टोर, बेलनगंज, आगरा
अंकिता एण्टरप्राइजेज, पथवारी, आगरा

निवास : जगन प्लाजा, भैरोंपार्क, बेलनगंज, आगरा

पंचम पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन

"दिन बीते, महीने बीते, बीत गये पांच वर्ष
कोई ऐसा पल नहीं था जब हमें न आया हो आपका ख्याल"

स्व. श्री जगदीश चन्द जैन एवं स्व. श्रीमती प्रमिला जैन

(स्वर्गवास : 16 नवम्बर 2014)

आपके विचार एवं आपके द्वारा दिए गए संस्कारों से ओत-प्रोत इस जीवन में आपकी स्मृति सदैव हृदय में अंकित रहेगी। आपकी पंचम पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारी जन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।
आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं धर्मपरायणता हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधू :
अनुज जैन-शिवानी जैन
पौत्र, पौत्री :
आशमन जैन,
अनुशी जैन

भ्रातागण :
स्व. श्री अनूपचन्द जैन (आगरा)
स्व. श्री निर्मलचन्द जैन (सीकर)
श्री प्रमोद कुमार जैन (भरतपुर)
श्री विनोद कुमार जैन
बहन-बहनोई :
शान्ति जैन-ओम प्रकाश जैन

पुत्री-दामाद :
शिवानी जैन-विवेक जैन
श्वेता जैन-नीरज जैन
दोहते :
अंतस, अंश,
अरहन, आरनव

निवास :- बी-80, ट्रान्स यमुना कॉलोनी, रामबाग, आगरा
एम-401, एस.पी.एस. हाइट्स, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद
मो.: 9971663206, 9650490510

हार्दिक बधाई

सौ.कां. रूबी

(सुपुत्री श्रीमती शकुन्तला एवं श्री देवेन्द्र कुमार जैन)

संग

चि. निशांक

(सुपुत्र श्रीमती संगीता एवं श्री निर्मल जैन)

का शुभ विवाह

मुनि श्री प्रभाव सागर जी के सानिध्य में
चक्रवर्ती जैन विधि से
श्री पार्श्वनाथ जैन मन्दिर, बल्लभगढ़ में
दिनांक 15 नवम्बर 2019 को दोपहर में सम्पन्न होने पर

हार्दिक शुभकामनाऐं एवं बधाई

देवेन्द्र कुमार जैन
म.नं. 1369, सेक्टर 3, बल्लभगढ़, फरीदाबाद
मोबाइल : 9711992780, 9899101369

सप्तम् पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री रमेश चन्द्र जी जैन

(समाज के कर्मठ कार्यकर्ता)

(13-05-1938 - 03-11-2012)

कुछ अधूरे सपनों को छोड़कर आप अचानक ब्रह्मलीन हो गये। आपकी लगनशीलता, कर्मठता और धर्म के प्रति आस्था हमारे लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगी, परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि हमें आपके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती रहे।

श्रद्धावनत

श्रीमती कमलेश जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
पवन-शारदा
प्रमोद-लवली
विनोद-नीलम
संतोष-सुषमा

पौत्र-पौत्रवधु :
पंकज-भूमि
नीरज-सपना

पौत्र, पौत्री :
विशाल, विवेक, विकास, सोना, आयूषी, तनु, रिया, युवान

पुत्री-दामाद :
आशा-अजीत
रेखा-गिरीश

पोती-दामाद :
आरती-डॉ. मनोज
भावना-राहुल
मोनिका-आशीष

प्रतिष्ठान :
पवन जनरल स्टोर, अछनेरा
जैन बुक कम्पनी, अछनेरा
जैन सेल्स एजेन्सीज, अछनेरा

निवास स्थान :
म.नं. 2262, 63 मो० रठिया, भरतपुर रोड, अछनेरा (आगरा)
मो.: 8909976072, 9897016695, 9998457035, 9411600824

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers,
Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures,
RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per
IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission PVT. LTD.

Vijay Transmission
PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

42वीं पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री लोकेश चन्द जी जैन, *भरतपुर*

(महाप्रयाण : 11 नवम्बर 1977)

42 वर्ष पूर्व हमारे परमपूज्य धर्मपरायण एवं यशस्वी पिताजी
श्री लोकेश चन्द जैन

हमारे लिए अमिट प्रेरणा और महान आदर्श का मार्ग प्रशस्त कर स्वयं सदैव के लिए अमर हो गये। उनकी चिर स्मृति में हम उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पत्नी : त्रिलोकमती जैन

पुत्र-पुत्रवधू :
अनिल कुमार जैन (I.R.S.)
(प्रिन्सिपल कमिश्नर इन्कमटैक्स)
स्वाति जैन

अरविन्द कुमार जैन (X.EN)
कीर्ति जैन (R.Ac.S.)

पुत्री-दामाद :
मधु जैन - मुकेश जैन
सुधा जैन - नलिन जैन

पौत्र, पौत्री :
दिव्या-दिप्तर, निकेत-सृष्टि,
भुवन जैन, नेहन जैन

निवास : ई-160-161, रामपथ, श्याम नगर, जयपुर-302019
मोबाईल : 9829234340, 9414071750

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **कृति जैन** पुत्री श्री अनिल कुमार जैन, जन्मतिथि 18.11.1994 (प्रातः 03:52, फ़िरोज़ाबाद), लम्बाई– 5'–3'', रंग गोरा, शिक्षा– एम.बी.ए (एच.आर.), गोत्र : स्वयं– बारोलिया, मामा– गंगवाल, संपर्क : 58ए/36/1बी, जैन मंदिर के पीछे, ज्योति नगर, अर्जुन नगर, आगरा–282001, मो.: 9837662521, 9897492759, ईमेल : aniljainfzd58@gmail.com *(नवम्बर)*

★ **गरिमा जैन** पुत्री श्री सुशील कुमार जैन, जन्मतिथि 17.05.1995 (प्रातः 5:00 बजे, फिरोजाबाद), शिक्षा– बी.टेक. (Electrical Engineering), गोत्र : स्वयं– सलावदिया, मामा– अठवर्षिया, सम्पर्क : म.नं. 10, टीचर्स कॉलोनी, रामगंजमंडी, जिला कोटा, मो.: 8619280423, 7976506214 *(नवम्बर)*

★ **आशिमा जैन** पुत्री श्री पवन कुमार जैन, जन्मतिथि 25.07.1996 (प्रातः 7:45 बजे), कद– 5'–1'', शिक्षा– एम.ए. (हिन्दी), रंग गोरा, सम्पर्क : श्री पवन कुमार जैन, मुन्शी बाजार, बडेरिया पारी, अलवर, मो.: 8824807040, 8239389222 *(नवम्बर)*

★ **Lipi Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Nalin Kumar Jain, DoB 10.11.1992 (at 02:38 pm, Jaipur), Height 5'-3", Education B.Tech. (CS), Working in Pvt. Company on a package 3.50 LPA, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Maimuda, Contact : 9460765484, 9460434712 *(Sep.)*

★ **Yukta Jain** D/o Sh. Satyendra Kumar Jain, DoB 16.11.1993 (at 9:35am, Agra), Height 5ft., Education M.Com., B.Ed., Profession- Teacher, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kotiya, Contact : H.No. 9, Vishvkarma Vatika, Shahganj Road, Bodla, Agra, Mob.: 7520615933, 9410857876 *(Sep.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. J.K. Jain, DoB 23.09.1993 (at 7:55 AM, Gangapur City), Height- 5'-2", Occupation- Senior Associate, HR, Mindtree Ltd, Bangalore, Education- MBA (XIME, Bangalore), B.Tech (RCEW, Jaipur), Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Chaudhary, Contact : E-1/325, Chitrakoot, Gandhi Path, Jaipur-302021, Mob.: 9887734133, 87694 21338 *(Sep.)*

★ **Astha Jain** D/o Late Sh. Vinai Kumar Jain, DoB 30.12.1989 (at 09:15 pm, Farrukhabad), Height 5'-3", Education- B.Tech., Working in TCS (Package Rs 10LPA), Gotra : Self- Salawadia, Mama- Badwasia, Contact : 2/414, Aravali Vihar, Alwar, Mob.: 9560035236, 7597572759, Email : arihant.arihant@gmail.com *(Sep.)*

★ **Divya Jain** D/o Sh. Naresh Chandra Jain, DoB 11.04.1994 (at 10:35 am, Anand, Gujarat), Height 5'-4" , Education- Bachelors in Computer Engineering, Working in Private Company, Ahemdabad, Gotra : Self- Sarang, Mama- Thakuria, Contact : 17, Krishana Park Society, Chavdapura, Jitodia Road, Anand, Gujarat, Mob.: 8200605454, 9427549521, Email : nareshjain6760@gmail.com *(Sep.)*

★ **Pratibha Jain** D/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 20.02.1993 (at 4.30 pm, Jaipur) Height 5'-2", Education- B.Tech. (ECE), Occupation- Jr. Assistant, Ground Water Deptt. Jaipur, Gotra : Self- Nangeshwariya, Mama- Ambia, Contact : 75/215, Sector 7, Pratap Nagar, Jaipur, Mob.: 9571701507, 8385026055 *(Sep.)*

★ **Sapna Jain** D/o Sh. Mahendra Kumar Jain, DoB Oct. 1991, Height 5'-3", Fair Color, Education- M.Com, Job- Silver Export House, Jaipur, Gotra : Self- Kotia, Mama- Bhamaria, Contact : 9314851301 *(Sep.)*

★ **Yamini Jain** D/o Sh. Bharat Bhushan Jain, DoB 23.12.1992 (at 10:34 am, Alwar), Height 5Ft., Education- BBA, Occupation- PO in Bank of Maharashtra, Gotra : Self- Bairasthak, Mama- Barolia, Deficiency in Both Hands, Contact : 4, Maglanser Circle, Vijai Mandir Road, Alwar, Mob.: 9928653997 *(Sep.)*

★ **Shikha Jain** D/o Sh. Pavan Jain, DoB 07.05.1992 (at 08:07 am, Alwar), Height 5'-7", Education- CA, B.Com., Working with Price Waterhouse Copper & Co. LLP, Gurgaon, Salary- 15 LPA, Gotra : Chaudhary, Contact : 1/544, Aravali Vihar, Kala Kuan, Alwar, Mob.: 9414020800 *(Sep.)*

★ **Deepali Jain** (Manglik) D/o Sh. Ajeet Kumar Jain, DoB 31.10.1992, Height 5'-1", Education- B.Tech., M.Tech (EC), Working with ICICI Bank Hindaun City, Contact : Sh. Ajeet Kumar Jain, Opp. Chandra Sec. School, Hindaun City, Dist. Karauli-322230, Mob.:

9414400944 *(Sep.)*

★ **Chanchal Jain (**Anshik Mangalik) D/o Sh. Madan Mohan Jain, DoB 03.03.1987 (at 12:10 pm,New Delhi), Height -5'3", Education- B.Com, Working as Administration Executive having Income ranges : 3-5 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Shreepat, Contact : 9971398320, 9811681949 *(Nov.)*

★ **Deepali Jain** D/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 12.11.1993 (at 3:30 pm, Agra) Height 5'-2", Fair Complexion, Education- B.Tech (CS), Occupation- Working as HR (Recruiter) in Talent toppers, Noida, Gotra : Self- Salawadia, Mama- Bhatariya, Contact : HIG-49, Sector-9, Awas Vikas Colony, Agra, Mob.: 9412723536, 9756654633 *(Nov.)*

★ **Nitya Jain** D/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 28.05.1991 (11:25am, Alwar), Height- 5'-4", Education- B.Tech. (Hon.), Pursued MBA in Finance (SCDL), Job Profile- Working as Business Analyst in Enuke Software Pvt. Ltd., Gurgaon, Gotra : Self- Maimuda, Mama-Barolia, Contact : 60, Scheme No. 8 (Extn.), Gandhi Nagar, Alwar, Mob.: 9413737641, 9414794395, Email : narendrajain0204@gmail.com *(Nov.)*

★ **Karishma Jain** D/o Sh. V.K. Jain (Nowgaon, Alwar wale), DoB 07.08.1991, Height 5'-3", Education- MBA in HR from Tata Institute of Social Science, Mumbai, Currently Working with Turtle Mint Mumbai as HR Professional, Salary 12 LPA, Gotra : Self- Aamiya, Mama- Bayania, Contact : Sh. V.K. Jain (Mumbai) 916755866, Shashi Jain 9820827871 *(Nov.)*

★ **Khushboo Jain** D/o Sh. Jinesh Jain (Nowgaon, Alwar wale), DoB 03.08.1993 (at 5:07 am, Jaipur), Height- 5'-1", Education- Chartered Accountant & Persuing CS Final Group, Currently Working with PWC (MNC) as Consultant, Gotra : Self- Aamiya, Mama- Bayania, Contact : Sh. Jinesh Jain (Times of India Jaipur), Mahesh Nagar Jaipur, Mob.: 9413339287, 9414845568 *(Nov.)*

★ **Ruchi Jain** D/o Sh A.K. Jain, DoB 04.05.1990, Height- 5'-2", Education- BBA, Degree Course in Mass Communication, Gotra : Self- Dhaati, Mama-Bahttriya, Contact : Sh. A.K. Jain, Jaipur, Mob.: 9414049584 *(Nov.)*

★ **Sakshi Jain** (Manglik) D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 02.10.1994 (at 07:37pm, Delhi), Education- M.Com., M.Ed., Occupation- School Teacher in Delhi, Gotra : Self- Chaurambar, Mama- Baroliya, Contact : 2/17, New Market, Sadar Bazar, Delhi Cantt, Mob.: 9818342651, 9899441662 *(Nov.)*

★ **Shweta Jain** D/o Lt. Sh. Subhash Chandra Jain, DoB 25.07.1993 (at 06:58 pm, Alwar), Height 5'-3.5", Fair and Smart, Education- B.Tech (NIT Jalandhar), M.Tech (NIT Surathkal), Working in GE Vadodara, Income- 8.5 LPA, Gotra : Self- Ladodiya, Mama-Nangeswariya, Contact : Poornima Jain, Alwar, Mob.: 7597738470, Email : scjpar@gmail.com *(Nov.)*

★ **Shikha Jain** D/o Sh. Munshi Lal Jain, DoB 13.04.1996 (at 09:15 pm, Jaipur), Height- 5'-2", Education- M.Com. (A.B.S.T.), Pursuing further studies for NET Exam, Gotra : Self- Atthvarshiya, Mama- Bahattariya, Contact : A-1/2, Tulsi Nagar, Shastri Nagar, Jaipur, Mob.: 9414893626 *(Nov.)*

★ **Matiri Jain** D/o Sh. Gajendra Kumar Jain, DoB 16.02.1996 (at 06:25 am, Jaipur), Height 5'-5", Fair Colour, Education- MCA, Tally, RS-CIT, Job- Teaching, Gotra : Self- Athavarsiya, Mama-Baintariya, Contact : B-54, Kirti Nagar, Near Jain Mandir, Tonk Road, Jaipur, Mob.: 9785812282, 9680154136, 8058157610 *(Nov.)*

★ **Anshu Jain** D/o Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 06.12.1991 (at 1:15 PM, Kota), Height- 5'-2.5", Education- B.Tech., M.Tech., Occupation- Counsellor at LBS Group, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kathumaria, Contact : 36, Basant Vihar Special, Behind Modi College, Kota-324009, Mob.: 9829242662, 6376463993, Email : pawankumarjain56@yahoo.com, pawan42662@gmail.com *(Nov.)*

★ **Priyanka Jain** (Manglik) (Divorsed) D/o Sh. Saral Kumar Jain, DoB . . (at Aligarh), Height '- ", Fair Colour, Education- B.A., Gotra : Salf- Jewariya, Mama- Sankhiya, Contact : Jain Street, Chippite, Aligarh, Mob.: , *(Nov.)*

★ **Shruti Jain** D/o Sh. Sanjeev Jain, DoB 5. 9. 9 (at 6:50 am, Agra), Height '-3", Education- NIFT Bangalore (Fashion Designer), Presently Working with Zivane (Active Wear, Bangalore), Gotra : Kher, Contact : Sh. Shashi Kumar Jain (Grand Father), 145, Jaipur House, Agra, Mob.: 8218602577, 9675666878 *(Nov.)*

★ **Riya Jain** (Manglik) D/o Sh. Sunit Kumar Jain, DoB 30.11. 94 (at 00:38 am, Alwar), Height ft., Education- B.Tech., PG Diploma in Broad Cast Journalism, Gotra : Self- Barwasia, Mama-Gandharva, Serice at Rajasthan Patrika (Digital Division) Jaipur, Contact : B-92, Riddhi-Siddhi Nagar, Kunhadi, Kota, Mob.: 9413349533, 9588298235, Email : sunitjain321@gmail.com *(Nov.)*

★ **Deepika Jain** (Manglik) S/o Sh. Dharm Chand Jain, DoB 4.10.1992 (at 12:05 PM, Delhi), Height- 5'-3", Education- B.Com., MBA, Job- Working in Cognizant, Gotra : Self- Angras, Mama-Sangarwasiya, Contact : 9625400435, 7701836987 *(Nov.)*

★ **Archana Jain** D/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 11.11.1989 (at 05:30 AM, Alwar), Height- 5Ft., Slim, Fair, Sober & Smart, Education- M.A. (Hindi), B.Ed., Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary,

Contact : 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Alwar-301001, Mob.: 9982154002, 9982993200 *(Nov.)*

★ **Shubhangi Jain** D/o Sh. S.K. Jain, DoB 1.08.1995 (at Aligarh), Height- 5'-1.5", Education- Bachelor Degree in Animation, Working as Free Lance, Gotra : Sataria, Contact : Flat No. 603, Bldg. No. 5, Kenwood Tower, Kenwood Park, Mira Bhayander Road, Mira Road (East), Dist. Thane-401107 (Maharashtra), Ph.: 02228127404, Mob.: 9969019635, Email : skjain5607@yahoo.in *(Nov.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **सिद्धार्थ जैन** सुपुत्र प्रो. एस.के. जैन, जन्मतिथी 06.10.1992 (प्रातः 9:05, भरतपुर), शिक्षा बीई, एम.टेक, लम्बाई 5'–9'', आय 4.00 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– चौरबम्बार, मामा– माईमूडा, सम्पर्कः सी–12/29, महानन्दा नगर, उज्जैन (म.प्र.), मो. 9425379097, 9414023186 *(सितम्बर)*

★ **चिराग जैन** (आंशिक मांगलिक) पुत्र श्री भारत भूषण जैन, जन्मतिथि 08.06.1988 (रात्रि 11:30 बजे, भरतपुर), कद– 5'–11'', शिक्षा– एम.सी.ए., जॉब– नैक ग्लोबल प्रा.लि. सीतापुरा, जयपुर में नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर के पद पर कार्यरत, आय– 3.90 लाख वार्षिक, गोत्रः स्वयं– मूढा, मामा– चौरबम्बार, सम्पर्कः 121–122, पशुपतिनाथ नगर, प्रताप नगर, जयपुर, मो.: 9828234847 *(सितम्बर)*

★ **जयेषु जैन** पुत्र श्री सुरेश चन्द जैन, जन्मतिथि 12.10.1995, कद– 5'–7'', शिक्षा– बी.एस.सी, व्यवसाय– दुकान, गोत्रः स्वयं– सारंगडगिया, मामा– जयपतिया, सम्पर्कः मैन बाजार, मिढाकुर, आगरा–283105, मो.: 9568598982, 8650047804 *(सितम्बर)*

★ **अभय जैन** पुत्र श्री प्रकाश चन्द जैन, जन्मतिथि 25.02.1989, कद– 5'–8'', सरकारी नौकरी (LDC II Grade) अतिरिक्त रजिस्ट्रार कार्यालय भरतपुर, गोत्रः स्वयं– पावटिया, मामा– राजोरिया, सम्पर्कः रणजीत नगर, भरतपुर, मोबाईल : 9460108635, 8952874989 *(सितम्बर)*

★ **प्राशु जैन** पुत्र श्री अनिल कुमार जैन, जन्मतिथि 22.05.1993 (प्रातः 9:05, फ़िरोज़ाबाद), लम्बाई– 5'–10'', शिक्षा– बी.कॉम, व्यवसाय– गवर्नमेंट कांट्रेक्टर, आय– 50,000/– प्रति माह, गोत्र : स्वयं– बारोलिया, मामा– गंगवाल, संपर्क : 58ए/36/1बी, जैन मंदिर के पीछे, ज्योति नगर, अर्जुन नगर, आगरा–282001, मो.: 9837662521, 9897492759 *(नवम्बर)*

★ **देवेश जैन** पुत्र श्री वीरेन्द्र कुमार जैन, जन्मतिथि 30.07.1992 (सायं 7:54), रंग गोरा, लम्बाई– 5'–10.5'', शिक्षा– बी.टेक, एम.बी.ए फाइनेंस, सी.एफ.ए. लेबिल रनिंग, बैंक ऑफ अमेरिका, गुडगांव इन्वेस्टमेन्ट बैंकिंग एनलायजिस्ट, पैकेज– 13.50 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– चाँदपुरिया, मामा– बड़ोनिया, संपर्क : वीरेन्द्र जैन, चनाकोठार, कम्पू, ग्वालियर–474009, मो.: 9826074682 *(नवम्बर)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Anoop Chand Jain, DoB 15.06.1985 (at Agra), Height- 6ft., Education- M.Com, MBA, Occupation- Business (Oil Mill Machine & Machinery Parts), Income- 6-8 LPA, Gotra : Self- Chaubambar, Mama- Barwasia, Contact : 68, Near Jeevan Jyoti Hospital, Avas Vikas Colony, Sector-1, Bodla, Agra, Mob.: 9412261831, 9870978410 *(Sep.)*

★ **Sameer Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 20.11.1986 (at Alwar), Height- 6ft., Education B.Tech (IT), Occupation- Software Engineer in Jaipur, Gotra : Self- Mastdengiya Choudhary, Mama- Sarngdengiya, Contact : 422, Lajpat Nagar, Alwar, Mob.: 9413024271, 9461334271, Email : ashokjainschalwar@gmail.com *(Sep.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Ramesh Chand Jain, DoB 14.10.1990 (at 4:55 AM, Dausa), Height- 5'-6", Education- B.Tech (EC), Occupation- Working in Ministry of Finance, Department of Revenue, Govt. of India as "Customs Officer" in Mumbai, Salary- 77,000 per month, Gotra : Self- Khair, Mama-Behattariya, Contact : Shiv Colony, Mehandipur Balaji, Dausa, Mob.: 9413049360, 9929271420, 8432785587 (WhatsApp) *(Sep.)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. J.K. Jain, DoB 21.05.1991 (at 6:55 AM, Gangapur City), Height- 6ft., Occupation- Data Analyst, Vertice Cloud, Dublin, Ireland, Education- Master of Science (NCI, Ireland), B.Tech (Jaipur), Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Chaudhary, Contact : E-1/325, Chitrakoot, Gandhi Path, Jaipur-302021, Mob.: 9887734133, 87694 21338 *(Sep.)*

★ **Dr. Deepak Jain** (Manglik, Divorced) S/o Shri Anil Kumar Jain (RAS), DoB 07.09.1985 (at 5:30pm, Delhi), Height 5'-11", Education- B.Tech and M.Tech from IIT Delhi, Ph.D from The Netherlands (Europe), Occupation- Head of Research Department in Golcha Associates Group at Jaipur, Income- 20 LPA, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Barolia, Contact : 618, Surya Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur, Mob.: 9413156915, 9828025800, Email : djiitdjpr@gmail. com *(Sep.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Manoj Mohan Jain, DoB 08.06.1994 (at 11:55 am, Agra), Height 5'-7", Education- CA, Service- ICICI Bank, Delhi, Contact : Sector 6C 612, Avas Vikas Colony, Agra, Mob.: 9412372816, 9412315497 *(Sep.)*

★ **Alankrit Jain** S/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 04.08.1990 (at 03:12 PM, Agra), Height 5'-11",

Education B.Com, Occupation- Own Business (Trading of Imported Tin Plate Sheets & Manufacturing of Tin Factory Product), Income- 8-10 LPA, Gotra : Self- Salavadia, Mama- Deveriya, Contact : F-823/6, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9412261738, Email : atc1987@rediffmail.com *(Sep.)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 25.06.1993 (at 6:40 pm, Bharatpur), Height 5'-11", Education- BA, Occupation- Business (Medical Shop), Income- 6.5 LPA, Gotra : Self- Kheir, Mama- Shreepat, Contact : B-16, Jawahar Nagar, Bharatpur, Mob.: 9461160941, 9414944930 *(Sep.)*

★ **Vivek Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 07.04.1992 (at 6:10 Pm, Mathura), Height 5'-7", Education- B.Tech. (Civil), SRM University (Chennai), Occupation- Working in Kuber Enterprises Pvt. Ltd. (Meja NTPC Allahabad), Income- 5.75 LPA, Gotra : Self- Kheir, Mama- Shreepat, Contact : B-16, Jawahar Nagar, Bharatpur, Mob.: 9461160941, 9414944930 *(Sep.)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Subhash Chand Jain, DoB 12.10.1993 (at 11:17 pm, Navgaon Distt. Alwar), Height 5'-11", Education- B.Tech (Electrical Engg.), Occupation- Working in Finetellix Solutions (Bangaluru), Income- 6.25 LPA, Gotra : Self- Shreepat, Mama- Kotia, Contact : 08, Gupta Colony, Jawahar Nagar, Near Delhi Road, Alwar, Mob.: 9828227339, 9739748225, 8058299349, Email : subhashfsd@gmail.com *(Sep.)*

★ **Aman Jain** S/o Sh. Sunil Jain, DoB 06.04.1992 (at 1:05 AM, Jaipur), Height- 5'-10", Education- B.Tech. (Elect. Engg.), Occupation- Self Business, Gotra : Self- Athavarsia, Mama- Maimooda, Contact : G-11, Rose, Mangalam Ananda City, Near Sanganer Railway Station, Sanganer, Jaipur-302029, Mob.: 9461303303, 8112211363 *(Sep.)*

★ **Neeraj Jain** (Divorsed) S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 07.04.1978 (at Alwar), Height- 5'-6", Colour Fair, Education B.Com., Diploma in English Stenography From Govt. I.T.I. Computer Diploma, Profession- Govt. Service (Account Asst.) Management, Pusa, New Delhi (Under Ministry of Tourism), Salary 6.50 LPA, Gotra : Self- Aameshwari, Mama- Barwasia, Contact : RZ-A1/49, Vijay Enclave, Palam, Dabri Road, Opp. Sect.-1a, Dwarka, Near Dashrath Puri Metro Station, New Delhi-110045, Mob.: 8076561407 *(Sep.)*

★ **Pankaj Kumar Jain** S/o Sh. Shant Kumar Jain, DoB 10.02.1989 (at 1:15 am, Agra), Height 5'-8", Educational- M.Com. (Bussiness Administration) & B.Ed., (Primary UP TET Qualify - 2011) Job- Decmore Panels Ltd., Agra, Singhai Pulverising Works, Agra, Designation- Senior Accounts Operation, Salary- 3.7 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Rajoria, Contact : Village & Post Barara, Dist. Agra-283102, Mob.: 9001935032, 6367465225, 9997054342, Email : vivekjain032@gmail.com, : pankajjain0555@gmail.com *(Sep.)*

★ **CA Dhiraj Jain** S/o Sh. Mahavir Jain, DoB 26.12.1991 (at 1:46 am, Jaipur), Height 5'-4", Occupation- Finance Manager C.P.S., Gotra : Self- Chaurbambar, Mama-Amia, Contact : Jaipur Road, Alwar, Mob.: 8094509540, 9460220974, Email : ca.parul26@gmail.com *(Sep.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 28.04.1993 (at 11:45 am, Naugaon), Height 163 cms., Education- B.Tech., Occupation- Associate Professor (IITIANS Pace), Package- 18.66 LPA, Gotra : Self- Sagarvashiya, Mama- Kher, Contact : Kapoor Niketan, Naugaon, Alwar, Mob 9588885656, 9828745429 *(Sep.)*

★ **Anuj Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 26.09.1989 (at 05:30 pm, Agra), Height 5'-10", Education- B.Com., Occupation- Maruti E- Business Center, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Athvarsiya, Contact : 9893531555 *(Sep.)*

★ **Anshul Jain** S/o Sh. Pushpendra Jain, DoB 14.03.1994 (at 09:12 am, Agra), Fair Complexion, Height 5'-11", Education- B.Com., Occupation- Business- Stationery & Ready Made Store, Gotra : Self- Salawadia, Mama-Maimuda, Contact : Jain General Store, Midhakur, Agra-283105, Mob.: 9410006648, 8445463430 *(Sep.)*

★ **Ankush Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 13.07.1990, Job- Rajya Bhasha Officer (Scale-1st) Raipur (Chhatisgarh), Gotra : Self- Janutharia, Mama-Maleshwari, Contact : 8006593560 *(Sep.)*

★ **Rishi Jain** S/o Sh. Prawal Kumar Jain, DoB 22.01.1991 (at 01:03 pm), Fair Complexion, Height 5'-7", Education-B.Com., Occupation- Printing Press & Xerox Shop, Gotra : Self- Budherwal, Mama- Maimuda, Contact : 91/60, Sarugyan, Karhal Road, Mainpuri-205001 (U.P.), Mob.: 8218887103, 9634425990 *(Sep.)*

★ **Shashank Jain** S/o Sh. Devendra Kumar Jain (Gangapur city), DoB 02.07.1991 (at 03:59 AM, Rawatbhata (Kota), Education- B.Tech (Mech.), MBA from IBS Hyderabad, Occupation- Managing Director "LEMARIC CERAMIC at Hubli (Karnatakta), Income- 12 LPA, Gotra : Self- Barolia, Mama- Amesheriya, Contact : Sh. D.K. Jain, Project Engineer, RAPP, Rawatbhata, Mob.: 9413346539, 9414940675, Email : ushajain20a@gmail.com *(Sep.)*

★ **Tarun Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 10.10.1991 (at 10:35 AM, Alwar), Height 5'-8", Education- B.Tech/M.Tech from IIT Kharagpur, Occupation- Working in Amsterdam (Netherlands), Gotra : Self- Belanvasiya, Mama- Chorbambar, Contact : 71/248, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9413305328, Email : cvinwrjp@gmail.com *(Nov.)*

★ **Sumit Jain** S/o Sh. Lochan Das Jain, DoB 05.06.1991 (at 7:30 pm, Morena), Height- 5'-9", Fair Complexion, Education- BE (Mech.) from IET (devi Ahilya Vishwavidyalaya), Indore, Occupation-Auditor in Ministry of Defence (Finance), Package 6.5 LPA, Gotra : Self- Baribar, Mama- Kashmiria, Contact : Near K.S. Mill Nainagarh Road, Morena (M.P), Mob.: 8463022852, 9755284934 *(Nov.)*

★ **Sharad Jain** S/o Sh. Madan Mohan Jain, DoB 07.02.1988 (at 1:10 am, New Delhi), Height- 5'-7",

Education- MBA (Marketing), Working as Marketing Manager in Infedo Pvt. Ltd. having Income 16 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Shreepat, Contact : 9971398320, 9811681949, Email : sharadjain_2009@live.com *(Nov.)*

★ **Vishal Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 08.08.1993 (at 4:40 AM, Bandikui (Dausa)), Height- 5'-7", Education- B.Com., M.Com., Gotra : Self- Chandpuriya, Mama- Shreepat, Profession- Jain General & Provision Store Bandikui, Income- 10 LPA, Contact : Jain Bhawan, Behind Panchayat Samiti, Ward No. 29, Bandikui, Mob.: 9414627193, 9784805709, 7014187585, Email : khushal.jain1212@gmail.com *(Nov.)*

★ **Anurag Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 23.03.1992 (at 11:26 pm), Height 5'-9.5", Education- M.Tech.(IT) from IIIT Allahabad, Occupation- Assistant Professor in Govt. Engg. College, Ajmer, Salary- Rs. 71,000 per month, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Baroliya, Contact : Seth Godam, Sainath Khirikiya, Karauli, Mob.: 9460952470, 9461152595 *(Nov.)*

★ **Nitin Jain** S/o Sh. Dilip Kumar Jain, DoB 10.09.1989 (at 11:45 pm, Agra), Height- 5'-6", Education- M.Com, B.Com, Occupation- Tender Manager in Private Limited Company, Gotra : Self- Sangeswariya, Mama- Rajoriya, Contact : 43/228, Jain Street, Sikandra, Agra- 282007, Mob.: 8171662074, 8279511785 *(Nov.)*

★ **Bipin Jain** S/o Late Sh. Shubhash Chand Jain, DoB 26.11.1989 (at 8:40 am, Agra), Height 5'-9", Education- M.Com, Occupation- Self Employed (Sales Tax And Income Tax), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Nageshwariya, Contact : H.No. 30, Shanti Nagar, Opp. Raj Garden, Maruti Estate, Albatiya Road, Bodla, Agra, Mob.: 9410424715, 9368681313, 9368196568 *(Nov.)*

★ **Deepak Jain** S/o Late Sh. Mahendra Kumar Jain, DoB 04.07.1992 (at 02:40 pm, Mandawar Mahwa Road), Height- 5'-7", Education- B.A, Profession- Business (Iron & Hardware Shop), Income- 5 LPA, Gotra : Self- Badwasiya, Mama- Rajeshwari, Contact : Smt. Laita Jain, Mob.: 8290881975, 9413676243, Email : cpjain2185@gmail.com *(Nov.)*

★ **Nakul Jain** (Manglik) S/o Late Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 28.03.1992 (at 1:45 pm, Rajkot Gujarat), Height 5'-1", Education- MBA (Finance), Occupation- Assistant Manager (Scale-1) in Nationalized Bank in Dwarka, New Delhi, Income 6LPA, Gotra : Mittal, Contact : Smt. Manju Jain, 18A, Dwarka, New Delhi-110078, Mob.: 9602064645, 8058001584 *(Nov.)*

★ **Himanshu** (Anshik Manglik) S/o Sh. A.K. Jain, DoB 14.03.1992 (at 2:55 PM), Height- 173 cms., Education- B.Com., MBA, Working as a Finance Executive in Global Indian International Pvt. Ltd., Noida, Income- 4 LPA, Gotra : Ambia, Contact : C-57, Anand Vihar Colony, Delhi-110092, Mob.: 9891205385, 9711886852, Email : jain57anil@gmail.com *(Nov.)*

★ **Anubhav Jain** S/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 08.09.1992 (at 10:45 PM, Alwar), Height- 5'-7", Education- B.Tech, M.Tech, ICT Jaipur, Occupation- Senior Data Developer, Dunnhumby Gurugram, Package- 11 LPA, Gotra : Self- Janthuriya, Mama- Sagarwasiya, Contact : Sh. Arvind Kumar Jain, D-72, H.M.M Nagar, Alwar, Mob.: 9414367288 *(Nov.)*

★ **Ankit Jain** S/o Late Sh. Subhash Chand Jain, DoB 01.10.1990, Height- 5'-9", Fair Colour, Education- M.A., B.Ed., Working as First Grade School Lecturer (Chittorgarh), Salary 57,000/- Per Month, Gotra : Self- Gindoriya, Mama- Nangeswariya, Contact : Mandawar (Dausa) 9694707750, 8058226112, Email-jainankit00310@gmail .com *(Nov.)*

★ **Manish Jain** S/o Sh. Diwan Kapoor Chand Jain, DoB 09.05.1988 (at 01:10 pm, Alwar), Height- 5'-6", Education- B.Tech (ECE) from NIT Jaipur, Gold Medalist, Presently Working as Sr. Lead UI/UX Associate at Noida, Package 32.5 LPA (Fixed component), Gotra : Self- Ambiya, Mama- Chaudhary, Contact : Diwan Ji Ki Haweli, Baderia Padi, In front of Saint Niwas, Alwar, Mob.: 6378381033, 9783565383, 7303079218, Email : manish9may@gmail.com *(Nov.)*

★ **Sparsh Jain** S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 16.08.1989 (at 4:30pm, Kherli) Height- 5'-3", Education- M.Com., Company Secretary, Working as Company Secretary in M/s. Dhabriya Polywood Ltd., Jaipur, Gotra : Self- Kotia, Mama- Dhati, Contact : B-48, Vidhya Nagar, Jagatpura, Jaipur, Mob.: 96602 55730, Email : skjainb48@gmail.com *(Nov.)*

★ **Abhilash Jain** S/o Sh. Surendra Kumar Jain, DOB 07.01.1993 (at 01:33 AM, Alwar), Height 5'-11", Education- B.Tech (E.C), Job- Software Engineer in HCL (Google), Gurgaon, Income- Rs. 4.50 LPA, Gotra : Self- Nageshwaria, Mama- Angrus, Contact : Sh. S.K. Jain, 3/61, NEB Housing Board, Alwar, Mob.: 9828865133, 8890566211 *(Nov.)*

★ **Kartik Jain** S/o Sh. Naresh Kumar Jain, DoB 23.08.1990 (at 10:40 pm, Kalol, Dist. Gandhi Nagar), Height- 5'-8", Education- B.Tech. (Electronics & Comm.), Working in Multinational Company QX in Ahmedabad, Gotra : Nolathia, Mama- Chandpuriya, Contact : A-201, Prathana Greens Society, Near Pramukh Aura, 'KH' Road, Saragasan Cross Road, Gandhi Nagar, Gujarat, Mob.: 9427626626, 9428910872, E-mail : ndjain2@gmail.com *(Nov.)*

★ **Nimesh Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 12.05.1991 (at 6:30 am, Delhi), Height- 5'-9", Education- B.Com. MBA (Finance), Occupation- Own Business, Income 12 LPA, Contact : Sh. Anil Kumar Jain, 26/69, Shakti Nagar, Delhi-110007, Mob.: 9811076884 *(Nov.)*

★ **Anuj Jain** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 26.10.1991 (at 5:58 pm, Alwar), Height- 5'-11", Education- B.B.A., C.S. Executive Pass, Occupation- Business, Gotra : Ambia, Mama- Rajoriya, Contact : Mehtab Singh Ka Nohra, Kalawati Street, Alwar, Mob.: 9414018049, 8107606969 *(Nov.)*

★ **Shubham Babu Jain** (Manglik) S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 10.08.1993, Height- 5'-8", Colour Fair, Job- MCD in Licence Department and Self Company, Income- 50,000/- per month, Gotra : Padmavati, Contact : Riks Ganj, Fariha, Firozabad, Mob.: 9528335309, 7618554494 *(Nov.)*

★ **Dr. Piyush Jain** S/o Sh. Pavan Kumar Jain, DoB 10.01.1990 (at 3:45 am, Jaipur), Height- 5'-6", Education- MBBS from Medical College, Jodhpur, MS from JLN Medical College, Ajmer, Gotra : Bayania, Mama- Kotia, Contact : 64/314, Heera Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9460685452, 9413342332, 9829031972 *(Nov.)*

★ **Bhupendra Jain** S/o Sh. Paras Chand Jain, DoB 05.02.1990, Education- MA, B.Ed., LLB, Occupation- Advocate in Rajasthan High Court at Jaipur Bench, Gotra : Pawatiya, Mama- Nageswariya, Contact : E-119, Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 8905927688, 9636422416 *(Nov.)*

★ **Sonu Jain** (Anay Jain) S/o Sh. Kedar Chand Jain, DoB 01.05.1986 (at 5:45 am, Alwar), Height- 5'-7", Education- M.Com., Diploma in Industrial Computer Accountant (ICA), Occupation- Sr. Accountant in Construction Company, Package- 5.75 LPA, Gotra : Self- Choudhary, Mama- Salavadiya, Contact : 429, Vijay Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9314490659, 9351409005 *(Nov.)*

★ **Ashish Jain** S/o Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 01.04.1990 (at 1:55 PM, Kota), Height- 5'-5.5", Education- B.Tech. (Civil), Occupation- Project Engineer in a renowned Construction Co. at Silvassa, Income- 6.30 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kathumaria, Contact : 36, Basant Vihar Special, Behind Modi College, Kota-324009, Mob.: 9829242662, 6376463993, Email : pawankumarjain56@yahoo.com, pawan42662@gmail.com *(Nov.)*

★ **Ravi Jain** S/o Sh. Pradeep Jain, DoB 12.9.1986 (at 7:30pm, Kota), Height- 5'-8'', Education- BE (Electrical), Job- Engineer at Hind Construction Ltd., Income 5 LPA, Gotra : Self - Chaurbambar, Mama- Baderiya, Contact : Behind Sarvodaya Convent School, Adarsh Colony, Kherli Phatak, Kota-324001, Mob.: 9928888727, 8209471961, Email : neetajainkota1@gmail.com *(Nov.)*

★ **Pavan Kumar Jain** S/o Sh. Jainendra Kumar Jain, DoB 12.03.1990, Height 5'-5", Education- B.A. & ITI (Electrician), Occupation- Retail Shop Keeper, Nithar, Gotra : Self- Pawatiya, Mama- Rajoria, Contact : Vill. Nithar, Teh.- Bhusawar, Dist. Bharatpur-321409, Mob.: 7597270830 *(Nov.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Sheel Chand Jain, DoB 19.08.1990 (at 05:00 pm), Height- 5'-9", Educational- M.Com from IGNOU, Occupation- Working in Magic Auto Pvt Ltd. (Maruti Authorised Dealership) as a Team Manager, Salary Package 5.25 LPA, Gotra : Self- Mundare, Mama- Ved Varashtak, Contact : RZG-98B, 1st Floor, Gali No.6, Near Shyam Mandir, Rajnagar Part-II, Palam Colony, New Delhi-110077, Mob.: 9718967990, 9911218537, Email : rrjain619@gmail.com *(Nov.)*

★ **Gourav Jain** S/o Sh. Bhag Chand Jain, DoB 15.11.1991, Height- 5'-8", Educational- B.Com., MBA (Marketing), Occupation- Working with HDFC Bank (PB), Gotra : Self- Bhadkoliya, Mama- Mahatiya, Contact : Shree Anoop Electricals, Kathumar Road, Kherli, Alwar, Mob.: 8949119922, 9414796449 *(Nov.)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. S.K. Jain, DoB 03.06.1990 (at 8:46 am, Aligarh), Height- 5'-3.5", Educational- B.Tech. (Electronics), MBA (Marketing), Occupation- Dy. Manager in M/s National Payment Corporation of India (under Reserve Bank of India), Mumbai, Income- 7.50 LPA, Gotra : Self- Sattaria, Contact : Flat No. 603, Bldg. No. 5, Kenwood Park, Mira Bhayander Road, Mira Road (East), Distt. Thane-401107, Maharastra, Ph.: 02228127404, Mob.: 9969019635, Email : skjain5607@yahoo.in *(Nov.)*

★ **Sudhir Jain** S/o Sh. Sumer Chand Jain, DoB 17.03.1988 (at Alwar), Height 5'-11", Education- M.Com, MBA, LLB, Occupation- Working in NBC Bearings, Jaipur (C. K. Birla Group), Gotra : Self- Sangarwasiya, Mama- Chaudhary, Contact : 213, Vivek Vihar, Scheme No. 10A, Distt. Alwar-301001, Mob.: 9982154002 *(Nov.)*

★ **Ropil Jain** S/o Sh. Vimal Jain, DoB 05.10.1990 (at Bharatpur), Height- 5'-6", Fair Complexion, Education- B.Tech. (E.C.E), Occupation- Working as Web Developer in Appic Softwares, Jaipur, Gotra : Self- Kheir, Mama- Bahetariya, Contact : Near Jain Mandir, Goverdhan Moad Deeg (Bharatpur), Mob.: 9509056123, 9079856774, 8619834905, Email : ropiljain28@gmail.com *(Nov.)*

* * * * *

प्रशंसा करने का अवसर न चूकें

प्रशंसा एक ऐसा भाव है जो दिल कि गहराईयों तक पहुंचता है। प्रशंसा से मन प्रसन्न हो उठता है, प्रशंसा से प्रोत्साहन मिलता है और मन उत्साह उमंग से भर उठता है। सच्ची प्रशंसा हमेशा लाभदायक होती हैं। प्रशंसा के माध्यम से सकारात्मकता बढ़ती है और राह पर ले आती है, बल्कि उसे उसके लक्ष्य तक शीघ्रता से पहुंचाने में सहायक भी होती है। प्रशंसा के माध्यम से व्यक्ति के कार्य करने की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है और मिलने वाले प्रोत्साहन द्वारा मन प्रफुल्लित हो उठता है। इसलिए सच्ची प्रशंसा करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए और प्रशंसा करने का सही अवसरा भी चूकना नहीं चाहिए। प्रशंसा जब करनी चाहिए ? यह प्रश्न मन में उठ सकता है तो इसके जवाब में यही कहना उचित है कि प्रशंसा सभी की उपस्थिति में, सबसे सम्मुख करना चाहिए, ताकि प्रशंसा के माध्यम से सकारात्मकता का प्रसार अधिक से अधिक हो। प्रशंसा कभी भी झूठी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि झूठी प्रशंसा, प्रशंसा न हो कर चाटुकारिता या चापलूसी होती है, जिसका लाभ किसी को नहीं मिलता, न प्रशंसा करने वाले को और न प्रशंसा करने वाले को और न प्रशंसा सुनने वाले को। प्रशंसा करना एक कला है, जो दिल की गहराईयों से निकलनी चाहिए, तभी इसकी पहुंच लोगों के दिलों तक होती है। किसी को भी प्रशंसा करने के लिये आडंबर का सहारा नहीं लेना चाहिए। खुले दिल से, मीठे शब्दों का प्रयोग करते हुए अच्छे कार्यों की सराहना करनी चाहिए। प्रशंसा करने वाले का दिल भी शुद्ध व सरल होना चाहिए। कपटपूर्ण हृदय से प्रशंसा के मीठे बोल फूटें, यह संभव है, लेकिन इसका कोई सकारात्मक प्रभाव प्रशंसा करने वाले पर कभी नहीं पड़ता, बल्कि उसके भविष्य के लिए अत्यंत नुकसानदेह होता है। सच्ची प्रशंसा करने वाले और सुनने वाले, दोनों ही प्रशंसा रूपी अमृत का पान करने वाले होते हैं और इसके कारण उनके अंतःकरण को जो शांति एवं प्रसन्नता मिलती है वह बहुमूल्य होती है।

–दयानन्द जैन

310, कावेरी ग्रीन्स, आगरा

पूज्य पिताजी एवं पूज्य माताजी की

पुण्य स्मृति में

स्व. श्री अमीर चन्द्र जी जैन *(कपड़े वाले)*
(स्वर्गवास 07-06-2009)

स्व. श्रीमती अशर्फी देवी जी जैन
(स्वर्गवास 16-10-2002)

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
विनोद कुमार जैन–सुधा जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
निशान्त जैन (M.S.)–साक्षी जैन

पौत्री-दामाद :
मीनाक्षी–गौरव जैन
तनूजा जैन (SAP Cloud Consultant)
पड़पौत्री : रोशिका जैन

प्रतिष्ठान :
जैन अमीर टैक्सटाइल
(जैन्ट्स क्लोथ डीलर)
रेमण्ड, रीड एण्ड टेलर एवं
उच्च कोटि के सूटिंग-शर्टिंग

Residence :
406, Nai Basti, Sant Talkies Road,
Firozabad-283203

(M) 9412160859, 7060443607

Shop :
47, Chandra Shekar Market
Sadar Bazar, Firozabad-283203

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2008 COMPANY

PRODUCTS

-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS

-PRESSED STEEL RADIATORS

-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS

-PACKAGE SUBSTATION

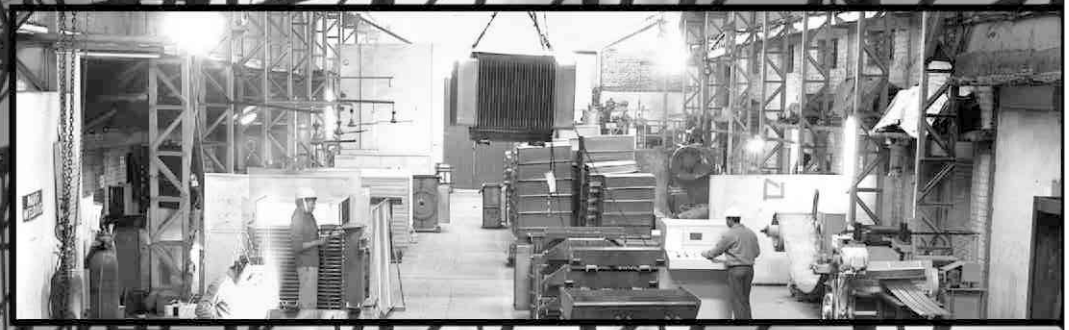

CONTACT

Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India

Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

KOTSONS

POWER & DISTRIBUTION

TRANSFORMERS

Export Award Winners

ACHIEVED **100%** GROWTH IN A SINGLE YEAR

KOTSONS PVT. LTD.

(AN ISO 9001 : 2008 & ISO 14001 : 2004 CERTIFIED COMPANY)

C-21, U.P.S.I.D.C., SITE- C, SIKANDRA,
AGRA - 282007 (U.P.) INDIA
Tel. : +91-562-3641818, 2641422
Fax : +91-562-2642059
e-mail : kotsons@kotsons.com
website : www.kotsons.com
Work at : Agra, Alwar & Uttaranchal

DNV

Accredited by the RvA

ISO 9001 QUALITY CERTIFIED
CERTIFICATE No. QSC-3360

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No.
RAJ/P/2019/1054
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl
FORTUNE
3 BHK Boutique Apartments

Your perfect home is now
at a landmark address.

Disclaimer: The image shown is indicative only and the actual view may differ from the one shown here.

● 16 Smart Home ● 3 BHK ● Vastu Friendly | Site : B-138, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, jaipur - 302001. INDIA. Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 'Pearl' Tower | 6 Townships

PRINTED MATTER
If Undelivered, please return to
श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क,
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी - अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।